ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- 9, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 348 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
23 जून 2026 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
35.2 अधिकतम
24.6 न्यूनतम

Page- 7

## अब तक छप्पन... मोदी का सीना, राहुल की उम्र और राजनीति का भ्रम!

भारतीय राजनीति में प्रतीकों का बड़ा महत्व है। कभी '56 इंच का सीना' चुनावी विमर्श का सबसे चर्चित नारा बन जाता है तो कभी किसी नेता की उम्र और शारीरिक सक्रियता राजनीतिक बहस का विषय बना दी जाती है। कांग्रेस वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के '56 इंच के सीने' पर तंज कसती रही है। संयोग देखिए कि अब राहुल गांधी की 56वीं वर्षगांठ पर उनके समर्थक उसी संख्या को राजनीतिक प्रतीक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनके व्यायाम और शारीरिक फिटनेस की तस्वीरों के जरिए यह संदेश देने का प्रयास हो रहा है कि वे मोदी को चुनौती देने के लिए तैयार हैं, लेकिन क्या किसी राष्ट्र का भविष्य नेताओं के डोले-शोले या सीने की चौड़ाई से तय होता है? इतिहास इसका उत्तर 'नहीं' में देता है। राष्ट्र न तो मांसपेशियों से चलते हैं और न ही नारों से। वे चलते हैं नीति, नीयत, दूरदृष्टि और निर्णय क्षमता से। दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को भी ईरान संकट के दौरान यह समझना पड़ा कि केवल सैन्य शक्ति हर समस्या का समाधान नहीं होती। अंततः कूटनीति, विवेक और राष्ट्रीय हित ही निर्णायक साबित होते हैं। यही बात भारत की राजनीति पर भी लागू होती है।

व्यू पॉइंट
राजेश सिरोठिया

राहुल गांधी यदि स्वयं को प्रधानमंत्री पद का स्वाभाविक दावेदार मानते हैं तो उन्हें यह भ्रम छोड़ना होगा कि केवल आक्रामक भाषण, शारीरिक फिटनेस या मोदी विरोध ही उन्हें जनता का विश्वास दिला देगा। देश वैकल्पिक नेतृत्व में स्पष्ट दृष्टि, ठोस नीतियां और भरोसेमंद राजनीतिक परिपक्वता तलाशता है। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए भी केवल पुराने नारों और व्यक्तिगत लोकप्रियता के भरोसे आगे बढ़ना पर्याप्त नहीं होगा। लोकतंत्र में हर सरकार का मूल्यांकन उसके काम, नीतियों और परिणामों से होता है।

मैं यह भी स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि मेरी दृष्टि न तो तथाकथित 'गोदी मीडिया' से प्रभावित है और न ही उस प्रवृत्ति से जो हर राष्ट्रीय मुद्दे को भारत-विरोधी नैरेटिव में ढालने वाली लोधी मेढ़ी प्रयास करती है। पत्रकारिता का धर्म किसी राजनीतिक खेमे की वकालत करना नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जवाबदेही निभाना है। भारत एक उदार, लोकतांत्रिक और सहिष्णु सभ्यता है। इस देश ने सदियों तक अनेक प्रकार की चुनौतियां और आक्रमण झेले हैं। आज भी वैचारिक विभाजन, राजनीतिक ध्रुवीकरण और समाज को बांटने वाले प्रयास हमारे सामने हैं। ऐसे समय में पत्रकार का दायित्व केवल समाचार देना नहीं, बल्कि समाज को सचेत करना भी है। मुझे पता है कि इस रास्ते पर न सत्ता पक्ष से तालियाँ मिलेंगी और न विपक्ष से। लेकिन यदि पत्रकार केवल प्रशंसा पाने के लिए लिखने लगे तो वह अपने पेशे के साथ न्याय नहीं कर सकता। मेरी प्रतिबद्धता किसी दल के प्रति नहीं, बल्कि भारत के प्रति है। मेरा विश्वास है कि एक मजबूत राष्ट्र व्यक्ति-पूजा से नहीं, बल्कि मजबूत संस्थाओं, जिम्मेदार राजनीति और जागरूक नागरिकों से बनता है।

**मेरी यह यात्रा आगे भी जारी रहेगी।**
**वंदे मातरम। जय हिन्द। जय भारत।**

जो इस विचार से सहमत हैं, वे साथ चलें; और जिनकी राह अलग है, वे भी भारत के हित को सर्वोपरि रखें।

### भोपाल में औसत से अधिक हो चुकी है जून की बारिश, अब प्रदेश की बारी

## राहत की बौछारों के लिए अब बस...तीन दिनों का इंतजार

### मानसून एंट्री की उल्टी गिनती शुरू

### बालाघाट-अनूपपुर के रास्ते आएगा

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों के लिए राहत भरी खबर है। दक्षिण-पश्चिम मानसून अब प्रदेश की सीमा तक पहुंच चुका है और अगले तीन से चार दिनों के भीतर इसकी जोरदार आमद होने की संभावना है। फिलहाल मानसून पड़ोसी छत्तीसगढ़ के दक्षिणी हिस्सों में सक्रिय है तथा मौसम विभाग के अनुसार अगले 48 घंटे में यह पूरे छत्तीसगढ़ को कवर कर लेगा। इसके बाद मध्य प्रदेश में मानसून का प्रवेश लगभग तय माना जा रहा है।

मौसम विज्ञानी प्रमेंद्र कुमार के अनुसार इस वर्ष मानसून बंगाल की खाड़ी वाली दिशा से तेजी से आगे बढ़ रहा है। यही कारण है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार मानसून इंदौर मार्ग से नहीं, बल्कि प्रदेश के पूर्वी-दक्षिणी जिलों बालाघाट, अनूपपुर और उमरिया के रास्ते मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगा। मानसून के करीब आते ही प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियां भी तेज हो गई हैं। सोमवार को भोपाल समेत पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश और गरज-चमक का दौर देखने को मिला। शाम साढ़े पांच बजे तक धार जिले में सबसे अधिक 44 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। वहीं भोपाल में 20 मिलीमीटर, उज्जैन में 9 मिलीमीटर, खंडवा और राजगढ़ में 4-4 मिलीमीटर, इंदौर और जबलपुर में 3-3 मिलीमीटर तथा रायसेन और सागर में 1-1 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई।

### 22 राज्यों में आंधी-तूफान और बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने एक बार फिर बारिश के साथ-साथ आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। दिल्ली से लेकर यूपी और जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर के राज्य असम, मेघालय, त्रिपुरा सहित पूरे 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मौसम को लेकर चेतावनी जारी की गई है। 28 जून तक अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी व्यापक स्तर पर बारिश होने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक पिछले साल 2025 में मॉनसून 26 मई को ही पूर्वोत्तर के अधिकांश हिस्सों में पहुंच गया था, इसलिए इस साल मानसून का आगमन अपेक्षाकृत देर से हुआ। मॉनसून के आगे बढ़ने से पूरे क्षेत्र में अच्छी बारिश की उम्मीद है। मौसम विभाग के अलर्ट के मुताबिक 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इस आंधी-तूफान से किसानों की फसलें बर्बाद हो सकती हैं। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, पंजाब, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, केरल , पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

## न्यूज विंडो

### आज राष्ट्रपति 65 हस्तियों को देंगी पद्म पुरस्कार

**नईदिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित 'द्वितीय नागरिक अलंकरण समारोह' में देश की 65 प्रतिष्ठित हस्तियों को वर्ष 2026 के पद्म पुरस्कारों से सम्मानित करेंगी। शाम 5 बजे शुरू होने वाले समारोह में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, दिग्गज अभिनेता ममूटी, पार्श्व गायिका अलका याग्निक और टेनिस स्टार विजय अमृतराज समेत कई क्षेत्रों के दिग्गजों को पद्म पुरस्कार मिलेंगे।

### मोदी सरकार के मंत्री जॉर्ज कुरियन ने दिया इस्तीफा

**नई दिल्ली।** बीजेपी के वरिष्ठ नेता जॉर्ज कुरियन ने आज अल्पसंख्यक मामलों और मत्स्य पालन राज्य मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। उनका छह साल का राज्यसभा कार्यकाल पूरा हो गया था। कुरियन शायद केंद्र सरकार में एकमात्र ऐसे मंत्री थे जो ईसाई समुदाय से आते हैं। उनका राज्यसभा कार्यकाल 21 जून को समाप्त हुआ है। 65 साल के कुरियन अगस्त 2024 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली तीसरी केंद्रीय कैबिनेट में राज्य मंत्री के तौर पर काम कर रहे थे। वह बीजेपी के एक सीनियर नेता हैं और 1980 में पार्टी के बनने के समय से ही इसके सदस्य रहे हैं।

### तेज प्रताप यादव के घर चोरी निजी सहायक पर आरोप

**पटना।** जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव के पटना स्थित आवास में चोरी हुई है। उन्होंने 20 लाख नकद, 2 तोले की सोने की चेन, सोने की एक अंगूठी, आईपैड, मैकबुक, लैपटॉप, आईफोन चोरी का आरोप लगाया है। इसकी शिकायत उन्होंने सचिवालय थाने में की है। इसमें उन्होंने अपने वैशाली निवासी निजी सहायक मोतीलाल राय पर चोरी का आरोप लगाया है।

## डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर माल्यार्पण

भोपाल। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर आज सीएम डॉ. मोहन यादव ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की मौजूदगी में प्रदेश भाजपा कार्यालय के सामने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

### राम मंदिर चढ़ावा चोरी केस

## SIT ने अपर मुख्य सचिव को सौंपी रिपोर्ट

**अयोध्या।** राम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट एसआईटी ने आज सुबह अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद को सौंप दी है। रिपोर्ट में चढ़ावा चोरी से लेकर कमीशनखोरी के खेल के सुबूत हैं। मंदिर में कर्मचारियों की नियुक्ति, गणना प्रक्रिया में भी बड़े हेरफेर की आशंका एसआईटी ने जताई है। एसआईटी में शामिल लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, लखनऊ आईजी रेंज किरण एस और विशेष सचिव वित्त नील रतन सुबह शासन पहुंचे। तीनों अधिकारियों ने गोपनीय जांच रिपोर्ट संजय प्रसाद को दी।

### लखनऊ कोचिंग अग्निकांड

## ऑटोमैटिक गेट ने ले ली 15 जानें एक ही सीढ़ी से आने-जाने का रास्ता

घटनास्थल की जांच करती फोरेंसिक टीम

**लखनऊ, एजेंसी**

लखनऊ कोचिंग अग्निकांड में मरने वालों में ज्यादातर स्टूडेंट थे। ये लोग गेमिंग और एनिमेशन सीखने आते थे। जिस वक्त हादसा हुआ, सभी स्टूडेंट लंच के बाद क्लास में थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि बिल्डिंग में बाहर निकलने का सिर्फ एक ही रास्ता था।

वहीं, कोचिंग सेंटर में मुख्य गेट भी ऑटोमैटिक था। यह थंब इम्प्रेशन से खुलता और बंद होता था। एक स्टूडेंट ने बताया कि आग लगने की वजह थंब इंप्रेशन वाला गेट लॉक हो गया। इसके चलते ज्यादातर बच्चे अंदर ही फंस गए। इमरजेंसी एग्जिट का कोई दूसरा रास्ता नहीं था। जबकि, आग लगने के कुछ ही मिनटों में पूरी इमारत धुएं से भर गई। इस भीषण अग्निकांड में 15 लोगों की जान चली गई। बताया गया कि अभी भी 5-6 घायल स्टूडेंट केजीएमयू में एडमिट हैं। लखनऊ अग्निकांड की जांच शुरू हो चुकी है।

### एसआईटी कर रही जांच

घटना के बाद आज एसआईटी के साथ फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच चुकी है। फोरेंसिक टीम ने जांच के लिए पूरी इमारत को सील कर दिया है। टीम अंदर से सबूत जुटा रही है। अभी भी यह पूरी तरह से आधिकारिक तौर पर साफ नहीं हो पाया है कि यह हादसा कैसे हुआ। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि यह एसी के फटने से हुई है।

### 16 कोचिंग सेंटर सील 22 पर कार्रवाई की तैयारी

हादसे में कई छात्रों की दर्दनाक मौत के बाद प्रशासन अब एक्शन मोड में नजर आ रहा है। कानपुर विकास प्राधिकरण ने शहर की सबसे बड़ी कोचिंग मंडी काकादेव में बड़ी कार्रवाई करते हुए 16 अवैध कोचिंग संस्थानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सील कर दिया और 22 से अधिक संस्थानों पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

## राहुल की मानहानि याचिका पर आज हाईकोर्ट में सुनवाई

**जबलपुर. एजेंसी**

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मानहानि मामले से जुड़ी याचिका पर आज मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में सुनवाई हो रही है। पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट से मामले की ऑर्डर शीट मंगाई थी। यह दस्तावेज आज अदालत के सामने पेश किया जाएगा। यह मामला केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान द्वारा दायर मानहानि केस से जुड़ा है। भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी को समन जारी किया था, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

## ट्रम्प बोले- ईरान परमाणु ठिकानों की जांच कराने तैयार, ईरान ने कहा - यह दावा झूठा

**तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान अपने परमाणु ठिकानों की अंतरराष्ट्रीय जांच के लिए तैयार हो गया है। ट्रम्प के मुताबिक, इससे दुनिया को लंबे समय तक भरोसा रहेगा कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम हथियार बनाने के लिए नहीं है। इसके तहत संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी आईएईए के अधिकारी फिर से ईरान में तैनात किए जा सकते हैं।

हालांकि, ईरान ने अमेरिका के इस दावे को खारिज किया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि आईएईए के साथ सहयोग पहले से तय नियमों के तहत जारी रहेगा। ईरान ने कोई नया वादा नहीं किया है।

स्विट्जरलैंड में करीब 18 घंटे चली बातचीत के दौरान परमाणु मुद्दे पर कोई नई सहमति नहीं बनी।

स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच हुई हालिया वार्ता के बाद अमेरिका ने ईरानी तेल पर लगी कुछ पाबंदियों में 60 दिन की ढील दी है। वहीं, परमाणु कार्यक्रम और यूरेनियम भंडार से जुड़े सबसे कठिन मुद्दों पर बातचीत अभी बाकी है।

### आज का कार्टून

### मेट्रो एंकर

### शीर्ष अदालत ने कहा... ऐसी स्थिति पैदा नहीं करना चाहते जिससे नई मुश्किलें खड़ी हों

## जजों की चयन प्रक्रिया न्यायिक समीक्षा के दायरे से बाहर - सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली, एजेंसी**

सुप्रीम कोर्ट ने एक सुनवाई में स्पष्ट करते हुए कहा कि हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों की चयन की प्रक्रिया (कॉलेजियम के फैसले) सूचना के अधिकार और न्यायिक समीक्षा के बाहर है। जजों की चयन प्रक्रिया की न्यायिक समीक्षा भी नहीं की जा सकती है। बेंच ने कहा कि कॉलेजियम का फैसला उसकी अपनी समझ और संतुष्टि पर आधारित होता है और न तो हाई कोर्ट और न ही सुप्रीम कोर्ट किसी उम्मीदवार की सिफारिश पर याचिकाएं सुनकर या निर्देश जारी करके उसमें कोई कमी निकाल सकते हैं। बेंच ने कहा कि हम कोई ऐसी स्थिति पैदा नहीं करना चाहते जिससे नई-नई मुश्किलें खड़ी हों। हम कॉलेजियम के फैसलों में दखल नहीं देंगे। बेंच ने यह भी बताया कि कुछ उम्मीदवारों को चुनने और उनके नामों की सिफारिश करने से पहले सैकड़ों उम्मीदवारों को बातचीत के लिए बुलाया जाता है।

दरअसल, हिमाचल प्रदेश के वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी अरविंद मल्होत्रा ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की थी। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी योग्यता को नजरअंदाज कर उनसे कनिष्ठ अधिकारियों को हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था लेकिन उन्हें प्रमोशन नहीं दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को खारिज करते हुए साफ-साफ कहा कि हम कॉलेजियम के फैसले पर विचार नहीं कर सकते।

अरविंद मल्होत्रा के वकील बलबीर सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 6 सितंबर, 2024 के अपने फैसले में हिमाचल हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के उस एकतरफा फैसले को गलत बताया था, जिसमें मल्होत्रा समेत दो सीनियर ज्यूडिशियल अफसरों की उम्मीदवारी को नजरअंदाज किया गया था। कोर्ट ने कहा था कि सिलेक्शन कॉलेजियम को मिलकर करना चाहिए, न कि चीफ जस्टिस को अकेले। सिंह ने कहा कि कॉलेजियम ने मल्होत्रा की उम्मीदवारी और उनके जवाबों पर विचार नहीं किया।

### कॉलेजियम की समझ और संतुष्टि

बेंच ने कहा कि कॉलेजियम का फैसला उसकी अपनी समझ और संतुष्टि पर आधारित होता है। हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट किसी उम्मीदवार की सिफ़ारिश पर याचिकाएं सुनकर या निर्देश जारी करके उस पर सवाल नहीं उठा सकते हैं। संवैधानिक अदालतों में जजों की नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों के सिलेक्शन का मामला न तो न्यायिक समीक्षा के दायरे में आता है और न ही सूचना के अधिकार एक्ट के तहत आता है।

# अयोध्या बायपास पर 10 लेन सड़क निर्माण बना मुसीबत, जाम से जनता बेहाल

**भोपाल।** अयोध्या बायपास रोड पर चल रहे 10 लेन सड़क निर्माण कार्य के कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। पिछले कई दिनों से निर्माण कार्य के चलते सड़क के विभिन्न हिस्सों पर वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं, लेकिन हालात उस समय और बिगड़ गए जब कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया और वाहन चालक 6 से 7 घंटे तक सड़क पर फंसे रहे। इस भीषण जाम से आम जनता, नौकरीपेशा लोग, छात्र-छात्राएं और मरीजों को लेकर जा रहे परिजन तक परेशान होते नजर आए। सुबह से शुरू हुआ जाम देर शाम तक बना रहा। सड़क निर्माण के चलते कई स्थानों पर मार्ग संकरा हो गया है, वहीं भारी वाहनों की आवाजाही और वैकल्पिक मार्गों की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण स्थिति और गंभीर हो गई। वाहन रेंग-रेंग कर चलते रहे, जिससे लोगों का समय और ईंधन दोनों बर्बाद हुआ। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क निर्माण कार्य विकास के लिए जरूरी है, लेकिन निर्माण एजेंसियों और प्रशासन को यातायात प्रबंधन पर भी ध्यान देना चाहिए। लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण स्थल पर पर्याप्त संकेतक बोर्ड, ट्रैफिक डायवर्जन और यातायात कर्मियों की व्यवस्था नहीं होने से जाम की समस्या लगातार बढ़ रही है।

### मरीज महंगे दामों पर खरीद रहे इंजेक्शन, बढ़ी परेशानी

# सरकारी अस्पतालों में नहीं मिल रहे हीमोफीलिया के इंजेक्शन

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

शहर के सरकारी अस्पतालों में हीमोफीलिया मरीजों के इलाज में इस्तेमाल होने वाला जरूरी इंजेक्शन उपलब्ध नहीं होने से गंभीर स्थिति बन गई है। राजधानी के जेपी जिला अस्पताल और हमीदिया अस्पताल और एम्स जैसे प्रमुख स्वास्थ्य केंद्रों में हीमोफीलिया फैक्टर का स्टॉक खत्म हो गया है। यह दवा हीमोफीलिया से पीड़ित मरीजों के लिए जीवन रक्षक मानी जाती है। इसकी कमी के कारण मरीजों और उनके परिजनों को इलाज के लिए परेशान होना पड़ रहा है। कई परिवारों को दूसरे अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जबकि कुछ लोग मजबूरी में निजी मेडिकल दुकानों से महंगी कीमत पर इंजेक्शन खरीद रहे हैं। हीमोफीलिया एक ऐसी बीमारी है जिसमें शरीर में खून जमने की प्रक्रिया सामान्य तरीके से काम नहीं करती। इस कारण छोटी चोट लगने पर भी लंबे समय तक रक्तस्राव हो सकता है। कई बार बिना किसी बाहरी चोट के शरीर के अंदर भी खून बहने की स्थिति बन सकती है, जो मरीज के लिए खतरनाक साबित हो सकती है।

**अचानक ब्लीडिंग की स्थिति में बढ़ा खतरा:** हीमोफीलिया मरीजों को कई बार अचानक ब्लीडिंग की समस्या हो जाती है। ऐसी स्थिति में तुरंत फैक्टर इंजेक्शन देना जरूरी होता है, ताकि खून का बहना नियंत्रित किया जा सके। सरकारी अस्पतालों में दवा नहीं मिलने से मरीजों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। समय पर इलाज न मिलने से उनकी स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ने की आशंका बढ़ रही है। खासकर ऐसे मरीज जिनके शरीर में फैक्टर की कमी ज्यादा है, उनके लिए यह स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। मरीजों के परिवारों का कहना है कि वे पहले सरकारी अस्पतालों से निशुल्क या कम लागत में उपचार की उम्मीद करते थे, लेकिन अब उन्हें निजी बाजार का सहारा लेना पड़ रहा है।

#### बाजार में 13 हजार कीमत

परिजनों के अनुसार निजी मेडिकल स्टोर्स पर एक इंजेक्शन की कीमत हजारों रुपये तक पहुंच रही है। एक डोज के लिए मरीजों को लगभग 8 हजार से 13 हजार रुपये तक खर्च करने पड़ रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए इतनी महंगी दवा खरीदना बेहद मुश्किल हो रहा है। कई मरीज नियमित डोज नहीं ले पा रहे हैं, जिससे बीमारी नियंत्रित रखने में परेशानी हो सकती है। मरीजों का कहना है कि सरकारी अस्पतालों में दवा उपलब्ध होने से उन्हें बड़ी राहत मिल सकती है, क्योंकि लंबे समय तक निजी बाजार से इलाज कराना हर किसी के लिए संभव नहीं है। हमीदिया अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. सुमित टंडन ने कहा कि उन्हें अस्पताल में हीमोफीलिया इंजेक्शन के वर्तमान स्टॉक की जानकारी लेकर स्थिति स्पष्ट करनी होगी। वहीं जेपी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. संजय जैन ने बताया कि इंजेक्शन के लिए ऑर्डर भेजा जा चुका है और जल्द ही उपलब्ध कराने की कोशिश की जा रही है। फिलहाल मरीजों की नजर अस्पतालों में दोबारा स्टॉक आने पर टिकी हुई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार हीमोफीलिया जैसी बीमारी में दवा की उपलब्धता लगातार बनी रहना बेहद जरूरी है।

### नया शेड्यूल-टाइमिंग तय होगी

# 24-25 जून को नहीं दौड़ेगी भोपाल मेट्रो सिग्नलिंग सिस्टम देखने आएगी CMRS

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

भोपाल में 24 और 25 जून को मेट्रो का संचालन बंद रहेगा। इस दौरान कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी (CMRS) सिग्नलिंग सिस्टम की जांच करेगी। अपनी रिपोर्ट 'ओके' देने के बाद मेट्रो का नया शेड्यूल और टाइमिंग तय होगी। जुलाई में सिग्नलिंग सिस्टम चालू होने के बाद नया शेड्यूल जारी होगा।

मेट्रो प्रबंधन के अनुसार, ऑरेंज लाइन पर सुभाषनगर से एम्स के बीच मेट्रो का दो दिन तक संचालन नहीं होगा। निरीक्षण एवं परीक्षण पूरा होने के बाद 26 जून से मेट्रो फिर से अपने निर्धारित समय पर दौड़ने लगेगी। बता दें कि सुभाष नगर से एम्स के बीच करीब 7 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर सिग्नलिंग सिस्टम का काम पूरा हो गया है। भोपाल और इंदौर मेट्रो में ऑरेंज-येलो लाइन के 2 रूट 30 किलोमीटर लंबे हैं। फिलहाल 12 किमी में ही मेट्रो दौड़ रही है, लेकिन इसकी रफ्तार काफी धीमी है। इस वजह से सवाल उठने लगे हैं। भोपाल मेट्रो तो साइकिल से भी धीमी रफ्तार से दौड़ रही है।

#### भोपाल मेट्रो की सुस्त रफ्तार चर्चा में

भोपाल में मेट्रो संचालन की सुस्त रफ्तार को तेज करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सुभाष नगर से एम्स के बीच प्रायोरिटी कॉरिडोर पर सिग्नलिंग सिस्टम का काम पूरा हो गया। करीब 30 किमी के लिए हुए करीब 800 करोड़ रुपए के टेंडर का यह पहला चरण है।

#### सिस्टम नहीं होने से एक ही ट्रैक पर दौड़ रही

जानकारी के अनुसार, भोपाल - इंदौर में अभी सिग्नलिंग सिस्टम नहीं है। इस वजह से मेट्रो प्रबंधन को केवल एक ही ट्रैक (डाउन ट्रैक) पर ट्रेन चलानी पड़ रही हैं। यही वजह है कि भोपाल में ट्रेनों की फ्रिक्वेंसी 75 मिनट रखी गई है, जिससे यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। यहां दोपहर 12 से शाम 4 बजे के बाद ही मेट्रो दौड़ रही है।

#### जिस ट्रैक पर दौड़ती, उसी पर वापसी

सुभाष नगर से एम्स के बीच डाउन ट्रैक पर ही ट्रेन दोनों दिशाओं में चलाई जा रही हैं। यानी जो जा रही है, वह उसी ट्रैक पर लौट रही है। जबकि अप ट्रैक (एम्स से सुभाष नगर) पर ट्रेन नहीं दौड़ती। नए सिस्टम के बाद दोनों तरफ से ट्रेन चलेगी।

#### मेट्रो की रीढ़ होता है सिग्नलिंग सिस्टम

जानकारों के मुताबिक सिग्नलिंग सिस्टम किसी भी मेट्रो नेटवर्क का सबसे अहम हिस्सा होता है। यही तय करता है कि ट्रेन कितनी दूरी पर चलेगी। ट्रेन की अधिकतम और न्यूनतम गति नियंत्रित करता है। ट्रेनों के बीच सुरक्षित गैप बनाए रखता है। ऑटोमेटेड ऑपरेशन और इमरजेंसी कंट्रोल संभालता है। सिस्टम के बिना मल्टी-ट्रैक ऑपरेशन संभव नहीं होता, जिससे पूरी क्षमता का इस्तेमाल नहीं हो पाता।

### सिंधी मेला समिति का रोग निवारण शिविर संपन्न

# इलाज से बेहतर है बीमारियों की रोकथाम : शिल्पा ताम्रकार

**संतनगर. दोपहर मेट्रो।**

दैनिक जीवन में खान-पान की खराब आदतें और असंतुलित जीवनशैली ही आज अधिकांश गंभीर बीमारियों का मुख्य कारण बन रही हैं। ऐसे में अनियमित दिनचर्या को सुधारकर और बीमारियों के प्रति जागरूक रहकर ही स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है। यह विचार सिंधी मेला समिति द्वारा शिवाजी नगर स्थित सिंधु भवन में आयोजित 'रोग निवारण शिविर' एवं सेमिनार में विशेषज्ञों द्वारा व्यक्त किए गए। सिंधु भवन ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत करना और जटिल शारीरिक समस्याओं का निवारण करना था। सेमिनार में डायटीशियन शिल्पा ताम्रकार ने कहा कि आज के दौर में अनियमित जीवनशैली के कारण बीमारियों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों को संतुलित, सात्विक और प्राकृतिक आहार अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि सही पोषण के जरिए ही बीमारियों को जड़ से खत्म किया जा सकता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सी.ए. हरीश तोलानी और डॉ. मधुरा कुलकर्णी ने भी स्वास्थ्य प्रबंधन को लेकर अपने अनुभव और महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए सिंधी मेला समिति के संरक्षक एवं विधायक भगवानदास सबनानी ने समिति के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा, 'हम अक्सर अपनी व्यस्त दिनचर्या में स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे छोटी समस्याएँ आगे चलकर गंभीर रूप ले लेती हैं। लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का समिति का यह अभियान अत्यंत सराहनीय है।'

**जागरूकता के साथ निःशुल्क जांचों का मिला लाभः** सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने शिविर के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आधुनिक जीवनशैली की विसंगतियों से लोगों को बचाने के लिए इस शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर के दौरान बड़ी संख्या में आए नागरिकों की ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, लिपिड प्रोफाइल और थायराइड जैसी महत्वपूर्ण जाँचें पूरी तरह निःशुल्क की गईं। इस अवसर पर मुख्य रूप से सिंधी मेला समिति के महासचिव नरेश तलरेजा, सिंधु भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र मनवानी, एडवोकेट जितेंद्र, सीमा सबनानी, दिव्या दरयानी, शकुन देवराख्यानी, सुनील किंगरानी और मनोहर उत्तवानी उपस्थित थे।

# त्रिवार्षिक चुनाव : चांदवानी के हाथ में सिंधी पंचायत की फिर कमान, शेरू बने महासचिव

**संतनगर. दोपहर मेट्रो।**

सिंधी समाज की प्रतिनिधि संस्था पूज्य सिंधी पंचायत के त्रिवार्षिक चुनाव के नतीजों में जहां जन सेवा पैनल के 10 वहीं झूलेलाल सेवा पैनल के दो उम्मीदवार विजयी घोषित हुए हैं। रविवार देर रात आए चुनाव परिणाम में साबू रीझवानी के निधन के बाद पंचायत के अध्यक्ष की कमान संभालने वाले माधु चांदवानी पर मतदाताओं ने विश्वास जताया है, माधु जनसेवा पैनल से मैदान में उतरे थे। साबू रीझवानी के बेटे शेरु रीझवानी महासचिव निर्वाचित हुए हैं, जो झूलेलाल सेवा पैनल से मैदान में थे।

बता दें संतनगरर्र संधी पंचायत में चार हजार से मतदाता थे, लेकिन केवल 52 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया

था। विजयी उममीदवारों में अध्यक्ष माधु चांदवानी को 1626, उपाध्यक्ष के लिए शेरू रीझवानी 1663, भरत आसवानी 1641 व गुलाब जेठानी 1267, महासचिव के लिए राजकुमार राऊ वाधवानी 1193, सचिव जेठानन्द मंगतानी 1190 व हरीश मेहरचन्दानी 1487, सह सचिव किशोर साधवानी 1453 व माधवदास पारदासनी 1321, कोषाध्यक्ष राकेश शेवानी 1511, सह कोषाध्यक्ष अमित राजानी 1181और ऑडिटर पद पर पुरषोत्तम हरचंदानी 1218 वोट मिले हैं। संतनगर के समाजसेवियों ने पंचायत के नए पदाधिकारियों को बधाई दी है। उम्मीद जताई है, एक जुटता के साथ समाज और शहर के लिए काम करेंगे।

# राजाभोज एयरपोर्ट के टैक्सी चालकों की हड़ताल स्थगित

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

राजाभोज एयरपोर्ट के ऑनलाइन टैक्सी चालकों की 23, 24 और 25 जून को प्रस्तावित हड़ताल स्थगित कर दी गई है। टैक्सी चालकों ने एग्रीगेटर कंपनियों के खिलाफ हड़ताल का ऐलान किया था। उनका दावा था कि किसी भी ऑनलाइन बुकिंग को स्वीकार नहीं करेंगे।

हालांकि, सोमवार रात भोपाल टैक्सी चालक संघ (भारतीय मजदूर संघ सम्बद्ध) ने बताया कि धरना-प्रदर्शन की अनुमति रद्द कर दी गई है। संगठन का कहना है कि 23, 24 और 25 जून को एयरपोर्ट गांधी नगर क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए अनुमति मांगी गई थी, लेकिन प्रशासन और गांधी नगर थाना ने वीवीआईपी मूवमेंट का हवाला देकर इसे निरस्त कर दिया। संघ ने इसे गरीब ड्राइवरों की आवाज दबाने की कोशिश बताते हुए कहा कि उनकी हमेशा से नीति रही है कि किसी भी आंदोलन को नियमों के तहत और अनुमति लेकर ही किया जाए। संगठन ने स्पष्ट किया कि वह किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं फैलाना चाहता, बल्कि अपने हक की लड़ाई संवैधानिक तरीके से लड़ रहा है। संघ ने चेतावनी दी है कि वह जल्द ही दोबारा अनुमति लेकर एग्रीगेटर कंपनियों के विरोध में और उग्र आंदोलन करेगा।

**पहले भी दिया जा चुका है ज्ञापन, अब आंदोलनः** संघ के महामंत्री राजेश कुमार नागले ने बताया कि इससे पहले 7 फरवरी और 12 जून को बोर्ड ऑफिस चौराहे पर सांकेतिक धरना देकर शासन-प्रशासन को ज्ञापन सौंपा था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। यह कदम ड्राइवरों की आजीविका बचाने के लिए जरूरी हो गया है।

**मेट्रो एंकर** | विकसित भारत-2047 के संकल्प विषय पर समरसता विमर्श

# सामाजिक समरसता विकसित है भारत की आधारशिला : नागर

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा सामाजिक समरसता के साथ विकसित भारत-2047 के संकल्प विषय पर समरसता विमर्श का आयोजन आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, शाहपुरा, भोपाल में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, अखिल भारतीय संयोजक, सामाजिक समरसता गतिविधि श्याम प्रसाद, कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड़ एवं प्राध्यापक एवं ख्यातिलब्ध समरसता विचारक डॉ. रमेश पांडव के सानिध्य में हुआ। परिषद के पूर्व महानिदेशक बी.आर. नायडू एवं महात्मा

गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्व विदयालय कुलगुरु आलोक चौबे ने वीडियो के माध्यम से अपना उदबोधन दिया। नागर ने कहा कि सामाजिक समरसता विकसित भारत की आधारशिला है। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्यों एवं संविधान जागरुकता से जुड़े अनेक कार्यक्रम प्रदेश भर में आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा हमारा संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करता है और हम सभी एक ही भारत माता की संतान है। राम केवट मिलन, शबरी और भगवान राम का प्रसंग जैसे उदाहरण हमारी संस्कृति में समरसता के प्रेरक सूत्र है।

**मध्यप्रदेश बनेगा समरसता से अभ्युदय की भूमि :** समरसता विचारक डॉ. रमेश पांडव ने कहा कि समरसता का विचार भले ही महाराष्ट्र में प्रखरता से प्रारंभ हुआ हो, लेकिन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के प्रयासों से मध्यप्रदेश समरसता के अभ्युदय की भूमि के रूप में प्रतिष्ठित होगा। परिषद द्वारा ग्रामोदय विश्वविद्यालय के सहयोग से समरसता के विचार को अकादमिक रूप प्रदान किया गया है। जल्द ही इसका प्रभाव धरातल पर भी दिखाई देगा। डॉ. लाड़ ने कहा कि परिषद स्वैच्छिकता, सामूहिकता एवं स्वावलंबन के मूलमंत्र के साथ नवाचारों की प्रोत्साहक रही है।

## एमपी के नाम एक और उपलब्धि, बाजार में चमकेगी आदिवासियों की आजीविका, बढ़ेगा निर्यात

# सिवनी का भूतबंधानी सीताफल अब बनेगा इंटरनेशनल ब्रांड, फल को मिला GI टैग

**सिवनी, दोपहर मेट्रो**

जिले का प्रसिद्ध जम्बो सीताफल अब वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सकेगा। कई वर्षों की कोशिश से जम्बो सीताफल को जीआई टैग दिलाने में जिला प्रशासन और उद्यानिकी विभाग को सफलता मिल गई है। मध्य भारत सहित देश के अलग-अलग हिस्सों में सिवनी का जम्बो सीताफल दीपोत्सव सहित अन्य त्योहार की प्राकृतिक मिठास व अनूठा स्वाद विशेष पहचान रखता है।

औषधीय गुणों से भरपूर 'जम्बो सीताफल' की प्राकृतिक रूप से सितंबर से नवंबर के बीच सर्वाधिक पैदावार होती है। जिले के छपारा भूतबंधानी में तैयार होने वाला जम्बो सीताफल ट्रकों से हर साल कानपुर, लखनऊ, दिल्ली जैसे महानगरों में भेजा जाता है। छपारा जंगल में प्राकृतिक रूप से उगने वाले स्वादिष्ट सीताफल की उपज का लाभ आदिवासी संग्राहकों को मिलता है।

### आदिवासियों की आजीविका का मुख्य जरिया यह सीताफल'

सुदूर जंगल-पहाड़ी क्षेत्र व खेत की मेढ़ में प्राकृतिक रूप से तैयार जम्बो सीताफल आदिवासियों की आजीविका का मुख्य जरिया है। बड़े आकार व अनोखी मिठास से विशेष पहचान बनाने वाले जम्बो सीताफल की मांग साल दर साल बढ़ती जा रही है, जिससे इस पर निर्भर हजारों परिवारों की आय में वृद्धि हो रही है। लगभग 6 हजार मीट्रिक टन सीताफल का अनुमानित उत्पादन हर साल जिले में होता है, जिसके क्रय-विक्रय से 20-25 करोड़ रुपये का कारोबार दो से तीन माह में हो जाता है। जीआई टैग के मिलने से सिवनी के इस विशेष सीताफल की मार्केटिंग व बिक्री में वृद्धि होगी, सीताफल उत्पादक किसानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

### जम्बो सीताफल की विशेषता

**विशाल आकार:** सिवनी के सीताफल का आकार अन्य स्थानों के सीताफल की तुलना में बहुत बड़ा होता है। जिले का सीताफल 400 ग्राम से अधिक बड़ा होता है। कुछ फल एक किग्रा तक भी होता है। अन्य जिलों का सीताफल औसत रूप से 100 से 150 ग्राम का होता है जबकि सिवनी जिले का छोटा फल भी 200 ग्राम से ज्यादा वजन का होता है।

**विशिष्ट स्वाद:** जिले के सीताफल का स्वाद सबसे हटके है। यहां का सीताफल बहुत मीठा होता है अन्य स्थानों के सीताफल पनीले पानी के स्वाद का होता है।

**प्राकृतिक उत्पादन:** जिले का सीताफल प्राकृतिक रूप से पैदावार होने के कारण पूर्णत: जैविक होता है, किसी भी प्रकार का खाद, उर्वरक का उपयोग नहीं किया जाता है।

**पल्प की अधिक मात्रा:** जिले के सीताफल में पल्प गूदा की मात्रा अधिक होती है।

### उत्पादन, विपणन में मिलेगी नई दिशा

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की सहायक संचालक डॉ. आशा उपवंशी-वासेवार ने बताया कि भोपाल में महानियंत्रक पेटेंट, डिजाइन एवं ट्रेड मार्क्स व रजिस्ट्रार भौगोलिक संकेत से चेन्नई जीआई रजिस्ट्री में किए गए आवेदन सुनवाई के बाद विभाग ने सिवनी के सीताफल को जीआई टैग जारी कर दिया है। जीआई टैग के लिए किसान उत्पादक संगठन भूतबंधानी सीताफल क्रॉप प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के प्रतिनिधि सदम सिंह बरकडे व राजकुमार भलावी ने सुनवाई में सिवनी जम्बो सीताफल की विशिष्टता तथा इसके महत्व को अधिकारियों के समक्ष रखा था। जीआई टैग मिलने से सिवनी के सीताफल उत्पादन व विपणन में नई दिशा मिलेगी, जिससे स्थानीय सीताफल उत्पादक किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है। साथ ही यह सीताफल देशभर और विदेशों में अपनी विशेष पहचान बनाने में भी सक्षम होगा। सिवनी जम्बो सीताफल अपने बड़े आकार, विशिष्ट स्वाद और गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध है। यह सीताफल अन्य स्थानों पर पाए जाने वाले सीताफलों से कहीं अधिक बड़ा और अधिक मीठा होता है। इन्हीं विशेषताओं के कारण जम्बो सीताफल को जीआई भौगोलिक संकेत टैग दिया गया है। विशेष पहचान मिलने से जिले के सीताफल की बाजार में मांग बढ़ेगी और मूल्य में वृद्धि होने से किसानों की आय में भी बढ़ोतरी होगी।

## प्रामाणिक ज्ञान के लिए बनी रहेगी पुस्तकों की आवश्यकता -मंत्री परमार

**भोपाल।** उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकें गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ मूल्य पर उपलब्ध हैं। मंत्री ने इन पुस्तकों की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास करने तथा अकादमी की वेबसाइट पर पुस्तकों की ऑनलाइन प्रतियां उपलब्ध कराने को कहा। परमार ने विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से सुझाव प्राप्त करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने पर भी बल दिया, जिससे प्राप्त सुझावों के आधार पर पुस्तकों में आवश्यक सुधार एवं संशोधन किए जा सकें। उन्होंने कहा कि परिवर्तनशीलता और निरंतर सुधार ही संस्थागत प्रगति का आधार हैं। मंत्री परमार ने मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी की 55 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अकादमी परिवार को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने देश में उच्च शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण पुस्तकों के निर्माण में अकादमी के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। मंत्री श्री परमार ने कहा कि पुस्तक लेखन एक कठिन और उत्तरदायित्वपूर्ण कार्य है तथा लेखन का मूल भाव भारतीय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश करते हुए अकादमी का कार्य एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है।

## मानसून से पहले की तैयारी: एमपीआरडीसी ने शुरू की टेंडर प्रक्रिया

# 4.13 करोड़ से भोपाल-ग्वालियर के 14 जर्जर पुलों की होगी मरम्मत

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

प्रदेश रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन (एमपीआरडीसी) राज्य के विभिन्न मार्गों पर बने जर्जर पुलों की मरम्मत कराने जा रहा है। इसके लिए 4.13 करोड़ रुपये की लागत से ग्वालियर और भोपाल संभाग के कुल 14 पुलों के संधारण एवं मरम्मत कार्ययोजना तैयार की गई है। एमपीआरडीसी ने इसके लिए टेंडर प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी है।

**रखरखाव के अभाव में कमजोर हो गए हैं-** चयनित पुल लंबे समय से मरम्मत और नियमित रखरखाव के अभाव में कमजोर हो गए हैं। वर्षा ऋतु के दौरान इन पुलों पर यातायात संचालन प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए अब इनके सुधार का निर्णय लिया गया है। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद इन मार्गों पर आवागमन अधिक सुरक्षित और सुगम हो सकेगा।

### 10 पुलों को इस परियोजना में शामिल किया गया

भोपाल डिवीजन में कुल 10 पुलों को इस परियोजना में शामिल किया गया है। इनमें बरेली-पिपरिया मार्ग के तीन पुल, विदिशा-अहमदपुर-गैरतगंज मार्ग का एक पुल, सुल्तानपुर मार्ग के दो पुल, भोजपुरा-मकसूदनगढ़ मार्ग के दो पुल और भोपाल-बैरसिया मार्ग के दो पुल शामिल हैं।

### चार पुलों का चयन किया गया

ग्वालियर डिवीजन के अंतर्गत चार पुलों का चयन किया गया है। इनमें भिंड-मिहोना-गोपालपुरा मार्ग का एक पुल, करैरा-भितरवार मार्ग का एक पुल और फतेहगढ़-गुना-अशोकनगर मार्ग के दो पुल शामिल हैं। एमपीआरडीसी अधिकारियों के अनुसार मरम्मत कार्य के दौरान पुलों की संरचनात्मक मजबूती बढ़ाने के साथ ही क्षतिग्रस्त हिस्सों का सुधार किया जाएगा, जिससे आने वाले वर्षों में यातायात संचालन सुरक्षित बना रहे।

### बरेली-पिपरिया पर सबसे ज्यादा खर्च

- बरेली-पिपरिया मार्ग के तीन पुलों की मरम्मत में कुल 1 करोड़ 23 लाख 82 हजार रुपये का खर्च आएगा।
- विदिशा-अहमदपुर-गैरतगंज मार्ग के पुल की मरम्मत में 44.47 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।
- सुल्तानपुर रोड के दो पुलों की मरम्मत में 30.06 लाख रुपये खर्च होंगे।
- भोजपुरा-मकसूदनगढ़ मार्ग के दो पुलों के संधारण कार्य में 80.56 लाख रुपये की लागत आएगी।
- भोपाल-बैरसिया मार्ग के दो पुलों के संधारण में 43.37 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।
- भिंड-मिहोना-गोपालपुरा मार्ग के पुल के संधारण में 69.46 लाख रुपये की लागत आएगी।
- करैरा-भितरवार रोड के पुल की मरम्मत में 11.91 लाख रुपये खर्च होंगे।
- फतेहगढ़-गुना-अशोकनगर मार्ग के दो पुलों की मरम्मत में 10.21 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

## प. बंगाल की कंपनी को मिला टेंडर

# हरपालपुर-महोबकंठ क्षेत्र में भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने खोजा जरकोनियम खनिज

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

बुंदेलखंड में महोबा और छतरपुर जिले के सीमावर्ती इलाके में जरकोनियम खनिज मिला है। भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने जरकोनियम की खोज की है। भारतीय खान मंत्रालय ने जरकोनियम खनन के संबंध में टेंडर भी जारी कर दिए हैं। मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल की माहेश्वरी माइनिंग कंपनी को जरकोनियम की लीज भी दे दी है। कंपनी सर्वे करके माइनिंग प्लान तैयार करेगी। इसके बाद खनन शुरू होगा। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने वर्ष 2023-24 में सर्वे किया था। जीएसआई ने राष्ट्रीय भू-रासायनिक मानचित्र प्रोग्राम के तहत जरकोनियम की खोज की है। इसके लिए बुंदेलखंड के 602 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सर्वे किया गया।

इस सर्वे में 40 वर्ग किमी क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता के जरकोनियम खनिज की मौजूदगी की खोज हुई है। जीएसआई ने अपनी सर्वे रिपोर्ट भारतीय खान मंत्रालय को सौंपी। इसके बाद खान मंत्रालय ने टेंडर प्रक्रिया को शुरू किया। खान विभाग ने 12 फरवरी को एक्सप्लोरेशन लीज (ईएल) के लिए टेंडर प्रक्रिया को शुरू किया था।

इसी प्रक्रिया के तहत पश्चिम बंगाल की कंपनी माहेश्वरी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड को खान मंत्रालय ने ईएल दी है। अब यह कंपनी विस्तृत सर्वे करके खनन प्लान तैयार करेगी।

### बुंदेलखंड में पहली बार मिला यह खनिज

जरकोनियम एक भारी खनिज है। अब तक यह भारत के ओडिशा, तमिलनाडु और केरल राज्य में पाया जाता है। अब बुंदेलखंड (उप्र-मप्र) चौथा क्षेत्र है जहां पर जरकोनियम खनिज की खोज हुई है। कंपनी ड्रिलिंग करके खनिज की मात्रा और गुणवत्ता का विस्तृत डेटा एकत्रित करेगी। इस प्रक्रिया के बाद खनन प्लान तैयार किया जाएगा। इसी खनन प्लान के अनुसार खान मंत्रालय खनन लीज जारी करेगा। इसके बाद खनन की प्रक्रिया शुरू हो सकेगी।

**जरकोनियम रेयर अर्थ मिनरल में शामिल है:** जरकोनियम धातु नियम एक भारी धातु है। इसमें 1855 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान सहन करने की क्षमता है। इसके उत्पादन की सीमित मात्रा के कारण इसे रे?यरअर्थ मिनरल की श्रेणी में शामिल किया जाता है।

## प्रदेश कांग्रेस की रफ्तार पर ब्रेक

# अभियान ठप, नियुक्तियां अटकीं पांच महीने से सुस्त है संगठन

### ▶ मीनाक्षी नटराजन प्रकरण के बाद थमा संगठन का कामकाज

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्य प्रदेश कांग्रेस इन दिनों संगठनात्मक सुस्ती और अधूरे अभियानों की चुनौती से जूझ रही है। कई महत्वपूर्ण अभियान शुरू होने से पहले ही ठंडे बस्ते में चले गए हैं, जबकि संगठनात्मक नियुक्तियों पर भी फैसला नहीं हो पा रहा है। स्थिति यह है कि पार्टी का मीडिया विभाग पिछले पांच महीने से बिना प्रवक्ताओं के काम कर रहा है और कई योजनाएं सिर्फ कागजों तक सीमित होकर रह गई हैं।

राज्यसभा नामांकन विवाद और मीनाक्षी नटराजन प्रकरण के बाद प्रदेश कांग्रेस की गतिविधियों की रफ्तार काफी धीमी पड़ गई है। पार्टी के कई बड़े कार्यक्रमों और जनसंपर्क अभियानों पर इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। सूत्रों के मुताबिक, संगठन स्तर पर कई फैसले लंबित पड़े हैं, जिसके कारण कार्यकर्ताओं में भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

कांग्रेस हाईकमान की मंजूरी मिलने के बावजूद घर-घर चलो और जन संवाद जैसे महत्वपूर्ण अभियान अब तक जमीन पर नहीं उतर पाए हैं। इन अभियानों के जरिए पार्टी ने 30 हजार परिवारों तक पहुंचने और उनसे सीधा संवाद स्थापित करने का लक्ष्य तय किया था, लेकिन यह योजना अभी फाइलों में ही दबी हुई है। पार्टी नेतृत्व का उद्देश्य आगामी राजनीतिक रणनीति को मजबूत करना था, लेकिन क्रियान्वयन के स्तर पर कोई प्रगति नहीं हो सकी।

### ब्लॉक स्तरीय सम्मेलन भी अधर में

प्रदेशभर में 25 मई से ब्लॉक अध्यक्षों के जन संवाद सम्मेलन आयोजित किए जाने थे। इन सम्मेलनों के माध्यम से संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन अब तक एक भी सम्मेलन आयोजित नहीं हो पाया है। इस देरी से स्थानीय स्तर पर संगठन की सक्रियता प्रभावित हुई है और कार्यकर्ताओं में निराशा बढ़ रही है। मध्य प्रदेश कांग्रेस का मीडिया विभाग पिछले पांच महीने से बिना नियमित प्रवक्ताओं के काम कर रहा है। नए प्रवक्ताओं की नियुक्ति को लेकर कई दौर की चर्चा हुई, लेकिन अब तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया जा सका है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए मजबूत मीडिया प्रबंधन बेहद जरूरी होता है, लेकिन मौजूदा हालात में कांग्रेस इस मोर्चे पर कमजोर नजर आ रही है।

### संगठन को फिर से सक्रिय करने की चुनौती

आने वाले समय में कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती संगठन को दोबारा सक्रिय करना और लंबित अभियानों को जमीन पर उतारना होगा। यदि पार्टी जल्द ही नियुक्तियों और जनसंपर्क कार्यक्रमों को गति नहीं देती, तो आगामी चुनावी तैयारियों पर इसका सीधा असर पड़ सकता है। फिलहाल, मध्य प्रदेश कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि कागजों में चल रही योजनाएं आखिर जमीन पर कब उतरेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मछुआ कल्याण और मत्स्य विकास विभाग की योजनाओं और कार्यक्रमों की मंत्रालय में समीक्षा की। बैठक विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे।

## एमपी में और सस्ती होगी इंजीनियरिंग की पढ़ाई,

# निजी कॉलेजों ने भेजा फीस में कटौती का प्रस्ताव, छात्रों को रिझाने कोशिश

**उज्जैन, दोपहर मेट्रो**

मध्य प्रदेश के निजी कॉलेजों से इंजीनियरिंग की पढ़ाई और सस्ती हो जाएगी। कई इंजीनियरिंग कॉलेजों ने शुल्क विनियामक समिति (एफआरसी) को अपने न्यूनतम शुल्क में कटौती का प्रस्ताव भेजा है। उनकी मांग है कि उनके यहां शिक्षण शुल्क 35 हजार रुपये सालाना कर दिया जाए। इसकी मंजूरी मिलती है तो यह निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों के पूरे तंत्र को प्रभावित करेगा। दरअसल, निजी संस्थान विद्यार्थियों की कमी से जूझ रहे हैं। पिछले एक दशक में 58 कॉलेज बंद हो चुके हैं। इस बीच केवल एक सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज खुला है। पिछले वर्षों में इन कॉलेजों की औसतन 45 से 55 प्रतिशत सीटों पर ही प्रवेश हो पाए। वहीं, सरकारी कॉलेजों में 80 से 90 प्रतिशत सीटें भर जाती हैं।

### विशेषज्ञों की राय और घटते प्रवेश के कारण

विशेषज्ञों का कहना है कि उद्योगों की जरूरतों और इंजीनियरिंग कोर्स के बीच बढ़ती दूरी, रोजगार को लेकर विद्यार्थियों की बदलती प्राथमिकताएं और नई तकनीकों के अनुरूप पाठ्यक्रम का समय पर अपडेट नहीं होना इसका प्रमुख कारण है। प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में अधिकतर प्रवेश दूसरे राज्यों के विद्यार्थी लेते हैं।

**मेट्रो एंकर**

## सिंहस्थ 2028 के लिए आरपीएफ का मेगा सुरक्षा प्लान

# 4500 जवानों के साथ ड्रोन व 700 सीसीटीवी कैमरों की मांग

**उज्जैन, दोपहर मेट्रो**

सिंहस्थ 2028 में 30 करोड़ श्रद्धालुओं की भीड़ को संभालने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मेगा प्लान तैयार कर लिया है। सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए 4500 अतिरिक्त जवान, डॉग स्क्वॉड, ड्रोन और 700 हाईटेक सीसीटीवी कैमरों की मांग का प्रस्ताव भेजा गया है। उज्जैन रेलवे स्टेशन से लेकर सभी फ्लैग स्टेशनों तक चप्पे-चप्पे पर निगरानी रखी जाएगी।

आरपीएफ थाना प्रभारी नरेंद्र यादव के मुताबिक, सिंहस्थ के दौरान उज्जैन मुख्य रेलवे स्टेशन पर दो डॉग स्क्वॉड तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा नईखेड़ी, पिंगलेश्वर, मोहनपुरा, पंवासा, चिंतामन और विक्रमनगर में बन रहे फ्लैग स्टेशनों पर एक-एक डॉग स्क्वॉड की तैनाती रहेगी। बताया जा रहा है कि प्रत्येक स्टेशन पर एक-एक ड्रोन भी तैनात किया जाएगा, जो आसमान से पूरे क्षेत्र की निगरानी करेगा।

इसके साथ ही 700 अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरों की मांग की गई है, जिन्हें सभी स्टेशनों पर लगाया जाएगा, ताकि कोई भी संदिग्ध गतिविधि कैमरों की नजर से बच न सके। उन्होंने बताया कि सिंहस्थ 2028 की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए 4500 अतिरिक्त जवानों की मांग का प्रस्ताव तैयार कर संबंधित अधिकारियों को भेजा गया है।

सिंहस्थ 2028 में करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इनमें से अधिकांश श्रद्धालु ट्रेनों के माध्यम से उज्जैन पहुंचेंगे। रेलवे इस दौरान 7800 विशेष ट्रेनों के संचालन की योजना बना रहा है। इतनी बड़ी संख्या को देखते हुए RPF और जीआरएपी दोनों ने अतिरिक्त बल की मांग की है।

### भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा प्लान

- * अतिरिक्त आरपीएफ बल - 4500 जवान
- * डॉग स्क्वॉड - उज्जैन स्टेशन पर 2, बाकी फ्लैग स्टेशनों पर 1-1
- * ड्रोन - हर स्टेशन पर 1
- * सीसीटीवी- 700 अत्याधुनिक कैमरे
- * जीआरपी बल - 6000 अतिरिक्त जवान
- * स्पेशल ट्रेनें - 7800 प्लान

### जीआरएपी भी है तैयार

उज्जैन जीआरएपी ने भी 6000 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की मांग का प्रस्ताव भेजा है। फ्लैग स्टेशन परिसरों में अस्थायी थाने स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक थाने में 100 पुलिसकर्मी 24 घंटे, सातों दिन (24×7) शिफ्ट के आधार पर तैनात रहेंगे।

## कुछ सेकंड की दुनिया

कभी ज्ञान की यात्रा पुस्तक के पहले पन्ने से शुरू होकर अंतिम पृष्ठ तक पहुंचती थी। आज वह यात्रा अंगूठे की एक हल्की-सी गति में पूरी हो जाती है। समय बदल गया है, माध्यम बदल गए हैं और सूचना ग्रहण करने का तरीका भी बदल गया है। इस परिवर्तन के केंद्र में खड़ी हैं सोशल मीडिया रील्स, जिन्होंने मनोरंजन, शिक्षा, राजनीति और सामाजिक संवाद की पारंपरिक सीमाओं को धुंधला कर दिया है। डिजिटल युग का यह नया मंच एक ऐसे चौराहे में बदल चुका है जहां लाखों लोग हर दिन मिलते हैं, विचार साझा करते हैं, सीखते हैं और दूसरों को प्रभावित करते हैं। कुछ वर्ष पहले तक जो मंच मुख्यतः तस्वीरें साझा करने के लिए जाना जाता था, वही आज अनेक युवाओं के लिए समाचार, जानकारी और सीखने का प्राथमिक स्रोत बन गया है। यह बदलाव केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन का भी संकेत है। रील्स की सबसे बड़ी ताकत उनकी गति है। वे सूचना को संक्षिप्त, आकर्षक और सरल रूप में प्रस्तुत करती हैं। जटिल विषयों को कुछ सेकंड में समझाने की क्षमता ने उन्हें नई पीढ़ी का पसंदीदा माध्यम बना दिया है। शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, वित्तीय जागरूकता और सरकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारियां अब उन लोगों तक भी पहुंच रही हैं, जो कभी सूचना के मुख्य प्रवाह से दूर थे। यह डिजिटल लोकतंत्र का एक नया रूप है, जहां ज्ञान पर कुछ संस्थानों का एकाधिकार नहीं रह गया है। लेकिन हर क्रांति अपने साथ एक चुनौती भी लेकर आती है। जिस माध्यम में जागरूकता फैलाने की क्षमता है, उसी में भ्रम फैलाने की संभावना भी छिपी हुई है। जिस मंच पर प्रतिभा को पहचान मिल सकती है, वहीं लोकप्रियता की अंधी दौड़ में स्तरहीनता भी जन्म ले सकती है। आज एल्गोरिद्म यह तय कर रहे हैं कि लोग क्या देखें, क्या सोचें और किन मुद्दों पर प्रतिक्रिया दें। ऐसे में यह प्रश्न पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या हम सूचना का चयन कर रहे हैं, या सूचना हमें चुन रही है? सबसे बड़ी चिंता तब पैदा होती है जब मनोरंजन और उत्तेजना के बीच की रेखा धुंधली होने लगती है। रील्स का युग केवल एक डिजिटल प्रवृत्ति नहीं है। यह उस समाज का प्रतिबिंब है जो तेजी से बदल रहा है, जहां समय कम है, विकल्प अधिक हैं और ध्यान सबसे मूल्यवान संसाधन बन चुका है।

# अमेरिका से आर्थिक तथा सामरिक सहयोग... अपने हितों को सर्वोपरि रखता भारत

डॉ. मयंक चतुर्वेदी
स्तंभकार

भारत और अमेरिका आज विश्व की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारियों में से एक हैं। रक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और हिंद-प्रशांत सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है और दोनों देशों के बीच आर्थिक तथा सामरिक सहयोग नई ऊंचाइयों तक पहुंचा है।

इसके बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में एच-1बी वीजा, टैरिफ, प्रवासन नीति और बाजार पहुंच जैसे मुद्दों पर अमेरिका ने कई बार भारत पर दबाव बनाने का प्रयास किया। किंतु भारत ने इन चुनौतियों के सामने झुकने के बजाय अपनी रणनीतिक स्वायत्तता और विविधीकरण की नीति को और मजबूत किया। यही वह परिवर्तन है जिसने दुनिया को दिखाया कि नया भारत साझेदारी करता है, लेकिन किसी एक देश पर निर्भर नहीं रहता।

पिछले एक दशक में भारत की विदेश नीति का सबसे बड़ा आधार रणनीतिक स्वायत्तता बनकर उभरा है। भारत अब महाशक्तियों के बीच संतुलन बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए निर्णय लेता है। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका प्रमुख उदाहरण है। पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद भारत ने रूस से तेल खरीद जारी रखी और अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की। इस कदम ने स्पष्ट कर दिया कि भारत अब अपने हितों के आधार पर निर्णय लेने वाला स्वतंत्र शक्ति केंद्र बन चुका है। ट्रंप प्रशासन की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के कारण भारतीय आईटी पेशेवरों और उद्योग जगत में चिंता बढ़ी। एच-1बी वीजा नियमों को सख्त करने और व्यापारिक मामलों में दबाव बढ़ाने जैसे कदम भारत के लिए चुनौती थे। लेकिन भारत ने इनका उत्तर टकराव से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति से दिया। भारत ने यह समझ लिया कि किसी एक देश या आपूर्ति स्रोत पर अत्यधिक निर्भरता भविष्य में आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकती है। इसलिए उसने विविधीकरण को अपनी नीति का प्रमुख आधार बनाया।

ऊर्जा क्षेत्र में भारत ने व्यापक बदलाव किए। पहले जहां तेल आपूर्ति के लिए सीमित स्रोतों पर निर्भरता थी, वहीं अब भारत ने विभिन्न देशों के साथ ऊर्जा सहयोग बढ़ाकर अपनी स्थिति मजबूत की है। इसका परिणाम यह हुआ कि रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में तनाव और वैश्विक ऊर्जा संकट जैसी परिस्थितियों के बावजूद भारत की ऊर्जा सुरक्षा प्रभावित नहीं हुई। रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार और वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों ने इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी भारत ने आत्मनिर्भरता और विविधीकरण दोनों को महत्व दिया। कोविड महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि चिकित्सा उपकरणों और स्वास्थ्य आपूर्ति के लिए किसी एक देश पर निर्भरता खतरनाक हो सकती है। इसी कारण भारत ने विभिन्न देशों के साथ सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ घरेलू उत्पादन क्षमता को मजबूत करने पर जोर दिया। 'मेक इन इंडिया' के तहत मेडिकल उपकरणों के निर्माण को प्रोत्साहन दिया गया और स्वास्थ्य क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में भारत पहले से ही विश्व की प्रमुख दवा उत्पादक शक्ति है, लेकिन सक्रिय औषधीय सामग्री (एपीआई) के लिए बाहरी निर्भरता एक चुनौती थी। इसे कम करने के लिए भारत ने घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दिया और नई साझेदारियों का विस्तार किया। इससे न केवल आयात पर निर्भरता कम हुई, बल्कि वैश्विक दवा उद्योग में भारत की स्थिति और मजबूत हुई।

तकनीक और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भी भारत ने दूरदर्शी नीति अपनाई है। वैश्विक स्तर पर चिप्स और इलेक्ट्रॉनिक्स की बढ़ती मांग को देखते हुए भारत ने प्रमुख तकनीकी देशों के साथ सहयोग बढ़ाया है। देश में स्थापित हो रही सेमीकंडक्टर परियोजनाएं इस बात का संकेत हैं कि भारत भविष्य की तकनीकी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की तैयारी कर रहा है। इसका उद्देश्य केवल आयात कम करना नहीं, बल्कि भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना भी है। रक्षा क्षेत्र में भारत की नीति संतुलन और स्वायत्तता का उत्कृष्ट उदाहरण है। अमेरिका के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ भारत ने रूस, फ्रांस, इजरायल और अन्य देशों के साथ भी अपने संबंध बनाए रखे हैं। इस बहुआयामी रणनीति ने भारत को किसी एक शक्ति केंद्र पर अत्यधिक निर्भर होने से बचाया है और उसकी सामरिक क्षमता को मजबूत किया है। खाद्य सुरक्षा, उर्वरक और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में भी भारत ने विविधीकरण को प्राथमिकता दी है। भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक लिथियम, कोबाल्ट और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न देशों के साथ रणनीतिक सहयोग विकसित किया गया है। इससे भारत की औद्योगिक और तकनीकी जरूरतों को दीर्घकालिक आधार मिला है। व्यापार और निवेश के क्षेत्र में भी भारत ने नए अवसरों का विस्तार किया है। विभिन्न देशों और क्षेत्रों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों, निवेश सहयोग और सप्लाई चेन साझेदारियों के माध्यम से भारत ने अपने आर्थिक विकल्पों को व्यापक बनाया है। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा जैसी पहलें इसी सोच का हिस्सा हैं, जिनका उद्देश्य भारत को वैश्विक व्यापार और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का महत्वपूर्ण केंद्र बनाना है।

आज भारत दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि मित्रता और निर्भरता में स्पष्ट अंतर होता है। अमेरिका भारत का महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है और भविष्य में भी रहेगा, लेकिन भारत अब अपने राष्ट्रीय हितों को किसी भी रिश्ते से ऊपर रखता है। चाहे रूस से तेल खरीदने का मामला हो, वैश्विक संघर्षों पर स्वतंत्र रुख अपनाने का प्रश्न हो या व्यापारिक दबावों का सामना करना हो, भारत ने हर बार अपने हितों के अनुरूप निर्णय लिए हैं। भारत और अमेरिका के संबंध आगे भी मजबूत होंगे, किंतु अब यह संबंध बराबरी, सम्मान और पारस्परिक हितों पर आधारित होंगे। नया भारत सहयोग और मित्रता को महत्व देता है, लेकिन अपने राष्ट्रीय हितों की कीमत पर कोई समझौता नहीं करता। यही उसकी विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता है और यही संदेश आज विश्व समुदाय भी स्पष्ट रूप से महसूस कर रहा है, इसलिए अमेरिका को ट्रंप प्रशासन के दबाव में या कहें निर्देशन में जो निर्णय लेना है वह लेता रहे, भारत अपने हित के लिए पहले भी अडिग रूप से खड़ा था और जैसा कि वर्तमान विदेश नीति मोदी सरकार की दिख रही है, उसके नजरिए से कहें तो आगे भी डटा रहेगा!

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

# विषाक्त ओटीटी का वैचारिक उद्योग भारतीय परम्पराओं के विरुद्ध सांस्कृतिक युद्ध

कैलाश चन्द्र
स्तंभकार

भारत में मनोरंजन के नाम पर ओटीटी मंचों पर जो सामग्री परोसी जा रही है, उसे केवल 'रचनात्मक स्वतंत्रता' का परिणाम कहकर अनदेखा नहीं किया जा सकता। यह अब केवल वेब-श्रृंखलाओं, फिल्मों या नई पीढ़ी की पसंद का विषय नहीं रह गया है। अनेक मामलों में यह एक व्यापक सांस्कृतिक और वैचारिक प्रवृत्ति का हिस्सा दिखाई देता है, जिसके माध्यम से भारतीय समाज, उसकी परंपराओं, परिवार संस्था और विशेष रूप से हिंदू सांस्कृतिक प्रतीकों को एक निश्चित दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया जा रहा है।

ओटीटी की दुनिया में हिंसा, अश्लीलता, गाली-गलौज, अपराध और सामाजिक विघटन को केवल दिखाया ही नहीं जाता, बल्कि कई बार उन्हें सामान्य और स्वीकार्य जीवन-शैली के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह तर्क दिया जाता है कि समाज में जो कुछ मौजूद है, वही दिखाया जा रहा है। किंतु प्रश्न यह है कि क्या समाज केवल अपराध, भ्रष्टाचार और विकृत संबंधों से ही बना है? क्या भारतीय जीवन में त्याग, करुणा, आस्था, परिवार, सामाजिक सहयोग, मातृत्व, शौर्य और सांस्कृतिक चेतना जैसी सकारात्मक शक्तियाँ नहीं हैं?

समस्या तब उत्पन्न होती है जब किसी समाज के हजारों रंगों में से बार-बार केवल उसका सबसे अंधकारमय और विकृत पक्ष ही चुना जाए। यह यथार्थ का संतुलित चित्रण नहीं, बल्कि चयनित यथार्थ की प्रस्तुति बन जाता है। अनेक लोकप्रिय श्रृंखलाओं और फिल्मों में भारतीय समाज, विशेषकर ग्रामीण और पारंपरिक समाज को इस प्रकार दिखाया जाता है मानो वहाँ केवल जातीय घृणा, अपराध, पाखंड और दमन ही मौजूद हो।

इस प्रवृत्ति का सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि हिंदू समाज को अक्सर स्थायी दोषी या खलनायक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। जाति, पितृसत्ता, धार्मिक पाखंड, सामाजिक हिंसा अथवा नैतिक विघटन जैसे विषयों में नकारात्मक पात्रों का संबंध प्रायः पारंपरिक या धार्मिक पृष्ठभूमि से जोड़ा जाता है। इससे धीरे-धीरे दर्शकों के मन में यह धारणा बन सकती है कि भारतीय परंपरा स्वयं समस्याओं की जड़ है।

यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि समाज की बुराइयों को दिखाना गलत नहीं है। कला और साहित्य का दायित्व ही है कि वे समाज की कमजोरियों पर प्रकाश डालें। किंतु यदि हर कथा का निष्कर्ष यही हो कि धर्म, परिवार, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत मूलतः दमनकारी हैं, तो यह आलोचना से आगे बढ़कर सभ्यतागत अभियोग का रूप ले लेता है। आत्मालोचना किसी भी समाज के विकास के लिए आवश्यक है, लेकिन आत्मालोचना और आत्मद्वेष में स्पष्ट अंतर होता है।

पिछले कुछ वर्षों में जब धार्मिक प्रतीकों और आस्थाओं पर सीधे प्रहार करने वाली सामग्री का विरोध हुआ, तब अभिव्यक्ति की शैली में परिवर्तन दिखाई दिया। अब प्रत्यक्ष आक्रमण कम और अप्रत्यक्ष सांस्कृतिक विघटन अधिक दिखाई देता है। परिवार को विषैला, विवाह को बंधन, पुरुषत्व को हिंसक, परंपरा को पिछड़ा और धार्मिकता को पाखंड के रूप में प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। इसके विपरीत सामाजिक अराजकता, नैतिक सीमाओं के विघटन और व्यक्तिगत स्वच्छंदता को आधुनिकता और स्वतंत्रता का पर्याय बताया जाता है।

यह समझना आवश्यक है कि सभ्यताओं को केवल युद्धक्षेत्र में नहीं हराया जाता। कई बार उन्हें उनकी अपनी नई पीढ़ी की चेतना में कमजोर कर दिया जाता है। यदि युवाओं को बार-बार यह बताया जाए कि उनकी संस्कृति पिछड़ी हुई है, उनका इतिहास शर्म का विषय है और उनके सामाजिक मूल्य दमनकारी हैं, तो धीरे-धीरे उनका सांस्कृतिक आत्मविश्वास कमजोर होने लगता है। यही कारण है कि मनोरंजन को केवल मनोरंजन मान लेना पर्याप्त नहीं है; वह समाज की सामूहिक चेतना को भी प्रभावित करता है।

ओटीटी मंचों की पहुँच और प्रभाव को देखते हुए यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। पहले मनोरंजन मुख्यतः सिनेमाघरों तक सीमित था, लेकिन अब मोबाइल, टेलीविजन, टैबलेट और लैपटॉप के माध्यम से यह सीधे घरों और व्यक्तिगत जीवन में प्रवेश कर चुका है। बच्चे, किशोर और युवा बड़ी मात्रा में ऐसी सामग्री देख रहे हैं, जो उनके दृष्टिकोण, व्यवहार और सामाजिक मान्यताओं को प्रभावित कर सकती है। एल्गोरिदम आधारित सुझाव प्रणाली इस प्रभाव को और गहरा करती है, क्योंकि दर्शक जो देखता है, उसे उसी प्रकार की और सामग्री दिखाई जाती है।

ओटीटी उद्योग प्रायः 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' का तर्क देकर आलोचनाओं को खारिज कर देता है। निस्संदेह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण मूल्य है, लेकिन स्वतंत्रता के साथ उत्तरदायित्व भी जुड़ा होता है। यदि कोई मंच करोड़ों लोगों तक पहुँच रखता है और उनकी मानसिकता, सामाजिक दृष्टिकोण तथा सांस्कृतिक धारणाओं को प्रभावित करता है, तो उससे किसी प्रकार की नैतिक जवाबदेही की अपेक्षा करना अनुचित नहीं है।

आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या भारत अपनी कहानी स्वयं कहेगा या उसकी कथा दूसरे लिखेंगे? क्या परंपरा, धर्म, परिवार और सांस्कृतिक विरासत को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति ही आधुनिकता का नया मानदंड बन जाएगी? यदि ऐसा होता है तो यह केवल मनोरंजन का विषय नहीं रहेगा, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास और सभ्यतागत निरंतरता का प्रश्न बन जाएगा, इसलिए समय की माँग स्पष्ट है, सजग दर्शक, उत्तरदायी मंच, वैकल्पिक सृजन और सांस्कृतिक आत्मविश्वास। मनोरंजन के क्षेत्र में चल रहा यह संघर्ष केवल पर्दे पर दिखाई देने वाले दृश्यों का नहीं, बल्कि समाज की स्मृति, पहचान और भविष्य की दिशा का संघर्ष भी है।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

हेल्थ अलर्ट

# घर में तैयार आई ड्रॉप्स के इस्तेमाल से बचें, आंखों को गंभीर नुकसान होने का खतरा

**इन** दिनों सोशल मीडिया पर आंखों से जुड़ी परेशानी जैसे जलन, आंखों का लाल होना या फिर आंखें ड्राई होने पर घरेलू उपाय के वीडियो शेयर हो रहे हैं। घरेलू उपाय यानी होममेड आई ड्रॉप या फिर DIY आई ड्रॉप कैसे बना सकते हैं इसकी जानकारी साझा हो रही हैं। रील्स में गुलाबजल, शहद, हर्बल अर्क जैसी चीजों के उपयोग की सलाह दे रहें हैं। लेकिन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कॉस्मेटिक साइंस एवं अन्य रिसर्च रिपोर्ट में होममेड आई ड्रॉप के इस्तेमाल से आंखों को नुकसान पहुंचने की बात कही गई है।

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कॉस्मेटिक साइंस के अनुसार घर पर बनाये गए आई ड्रॉप के फायदे कम और नुकसान ज्यादा हो सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि आंखों के आंसू में ऑइल, म्यूकस और पानी होता है। इनमें ऑक्सीजन, न्यूट्रिएंट्स और एंटीबॉडी मौजूद होते हैं, जो आंखों की सुरक्षा करते हैं। सिर्फ इतना ही नहीं आंसू प्राकृतिक रूप से इंफेक्शन फ्री होते हैं। होममेड आई ड्रॉप को ना ही स्टेराइल किया जा सकता है और ना ही इसमें इस्तेमाल किये गए इंग्रीडियंट्स लैब की तरह क्लीन हो सकते हैं।

रिसर्च के अनुसार खराब या ठीक तरह से तैयार ना किये गए आई ड्रॉप से आंखों में इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। होममेड आई ड्रॉप के इस्तेमाल से बैक्टीरिया या फंगस कॉर्निया को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे आंखों से जुड़ी समस्या बढ़ सकती है और व्यक्ति को देखने में भी समस्या हो सकती है। होममेड आई ड्रॉप ज्यादातर गुलाब जल, हर्बल अर्क या ऐसी ही किसी अन्य इंग्रीडियंट्स की मदद से बनाई जाती है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्थमोलॉजी के अनुसार गुलाब जल या हर्बल अर्क में माइक्रोऑर्गेनिसम मौजूद हो सकते हैं, जिससे आंखों में जलन, एलर्जी या इंफेक्शन का खतरा हो सकता है। इसके अलावा इन इंग्रीडियंट्स में pH लेवल और केमिकल्स आंखों के लिए उपयुक्त नहीं हो सकते हैं। ऐसे में आंखों से जुड़ी परेशानी बढ़ सकती है।

आई एक्सपर्ट्स का मानना है कि होममेड आई ड्रॉप के इस्तेमाल से आंखों की प्रॉब्लम खत्म नहीं हो पाती है। होममेड आई ड्रॉप कुछ वक्त के लिए राहत दे सकते हैं लेकिन DIY आई ड्रॉप आपकी परेशानी कम करने के बजाये बढ़ा सकते हैं। इसलिए आंखों से जुड़ी छोटी या बड़ी परेशानियों को इग्नोर ना कर डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। डॉक्टर आई चेकअप इक्विपमेंट की मदद करते हैं और आंखों की परेशानी को समझकर दवा या आई ड्रॉप प्रिस्क्राइब करेंगे। अगर आंखों से जुड़ी गंभीर समस्या है तो उसकी जानकारी भी शुरुआत में ही मिल सकती है और आप भविष्य में होने वाली परेशानियों का इलाज करवा सकते हैं।

## निशाना

### हैं वही अखबार आगे...!

मनोज साहू 'निडर'

तंग जूते काटते हैं।
और मोज़े हाँफते हैं।
कौन सा जादू है उनमें
लोग तलवे चाटते हैं।
आदमी का मोल ही क्या
लोग बस कद नापते हैं।
शहर की अंगड़ाइयों से
गांव थर-थर कॉंपते हैं।
हैं वही अख़बार आगे
जो मसाला छापते हैं।
जीत होना है इसी पर
कौन कितना बॉंटते हैं।
फैसला तय हो चुका है,
बहस में दिन काटते हैं।

न्यू लॉन्च

# सैमसंग लाया 10 हजार सुराख वाला 'विंड फ्री' AC, करेगा एयर प्यूरीफायर का भी काम

**एयर** कंडीशनर का इस्तेमाल करने वालों की सबसे बड़ी समस्या होती है कि इसे चलाओ तो तेज ठंड लगती है और बंद करो तो पसीने छूट जाते हैं। इस टेंशन को दूर करने के लिए सैमसंग ने भारत में अपनी खास नेक्स्ट-जेनरेशन क्लाइमेट सॉल्यूशंस तकनीक से लैस एयर कंडीशनर पेश किया है। यह सैमसंग की ओर से आने वाले कोई आम AC नहीं है विंडफ्री कूलिंग, पीएम1.0 एयर प्यूरीफिकेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का एक जबरदस्त पैकेज है। सैमसंग की ओर से इसे गुरुग्राम के लग्जरी प्रोजेक्ट द ऑर्चर्ड में फिट भी कर दिया गया है।

अक्सर हम भारतीय AC की ठंडी हवा से सिरदर्द या सर्दी-जुकाम की शिकायत करते हैं। सैमसंग ने इस समस्या का तोड़ निकालते हुए विंडफ्री तकनीक पेश की है। इसमें ष्ट से हवा सीधी आने की जगह 10,000 छोटे-छोटे छेद यानी कि माइक्रो होल्स के जरिए आती है। इससे ठंडी हवा शरीर पर नहीं लगती और कमरे में धीरे-धीरे फैल जाती है।इसके साथ ही इसमें पीएम 1.0 का फिल्टर भी लगता है, जो हवा में मौजूद महीन धूल के कणों को साफ करता है और 99 फ़ीसदी बैक्टीरिया को खत्म कर देता है।

सैमसंग का ये कूलिंग सिस्मट AI से लैस है और यूजर के स्मार्टफोन से स्मार्टथिंग्स ऐप के जरिए जुड़ा रहता है। इसकी वजह से आप कहीं से भी इसे कंट्रोल कर सकते हैं। इसके अलावा यह बिक्सबी वॉयस कंट्रोल को भी सपोर्ट करता है।

सैमसंग द्वारा पेश ये खास AC उनके लिए हैं जिन्हें साधारण AC की सीधी ठंडी हवा पसंद नहीं। अगर आप बच्चों या बुजुर्गों के कमरे में AC लगवा रहे हैं, तो 10,000 माइक्रो होल्स से छनकर धीमी हवा देने वाला AC एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। कंपनी दावा करती है कि यह बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित होगा। दिल्ली और आस-पास के इलाकों जैसी खराब हवा की क्वालिटी से परेशान लोगों के लिए

इसमें लगा पीएम 1.0 एयर प्यूरीफायर, एयर प्यूरीफायर के पैसे बचा सकता है। अपने AC को एक स्मार्ट ष्ट में अपग्रेड करना चाहते हैं, तो यह ऑप्शन आपके लिए बेहतरीन साबित हो सकता है क्योंकि इसे आप SmartThings ऐप और Bixby के जरिए कंट्रोल कर पाएंगे। AI से लैस ये AC 15 फ़ीसदी तक बिजली बचाता है। ऐसे में अगर आप बिजली की कम खपत करने वाला एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस AC तलाश रहे हैं, तो सैमसंग की नई पेशकश आपको काफी पसंद आएगी।

वायरल कंटेंट

# चार घंटे धार्मिक नगरी वृंदावन में भिखारी बना लड़का, कमाई गिनकर खुद भी ही रह गया हैरान

**सोशल** मीडिया पर कई इंफ्लुएंसर्स इन दिनों अलग-अलग काम के जरियों में होने वाली कमाई के वीडयो अपलोड करते नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में एक लड़के ने वृन्दावन में मात्र चार घंटे के लिए भिखारी बनकर हुई कमाई का खुलासा किया। टोटल कमाई ने लोगों को भी हैरान कर दिया। इस युवक ने मात्र चार घंटे के लिए भिखारी का रूप धारण कर लिया और वृन्दावन की गलियों में भिक्षा मांगनी शुरू कर दी। जब उसने कमाई गिनी तो खुद भी चौंक गया।

सिर्फ 4 घंटे में उसकी जेब में 2480 रुपये आ गए थे। वीडियो में युवक दिखाता है कि वह कैसे साधारण कपड़े पहनकर, वृन्दावन के मंदिरों, बाजार और घाटों के आसपास बैठ गया। शुरुआत में तो लोग कम ही देते थे, लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ा, भक्तों और पर्यटकों की भीड़ बढ़ी। कई श्रद्धालु उसे देखकर दया दिखाते हुए 10-20-50 रुपये देते गए। कुछ पर्यटक तो 100-200 रुपये भी दे गए। युवक ने वीडियो में बताया, 'मैंने सोचा भी नहीं था कि इतनी आसानी से इतनी कमाई हो जाएगी। चार घंटे में 2480 रुपये! एक दिन का मेहनताना एक घंटे में। वीडियो में वह नोट गिनते हुए हैरानी और खुशी दोनों जाहिर करते नजर आया।

**वायरल वीडियो ने मचाया बवाल:** जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, कमेंट सेक्शन में आग लग गई। कुछ यूजर्स इसे क्रिएटिव कंटेंट और रियलिटी चेक मान रहे हैं। वे कह रहे हैं कि भिक्षावृत्ति से भी अच्छी कमाई हो सकती है, जो दिखाता है कि लोग कितने दयालु हैं। दूसरी तरफ कई लोग इसे बेहद आपत्तिजनक बता रहे हैं। उनका कहना है कि वृन्दावन जैसी पवित्र नगरी में भिखारी बनकर प्रयोग करना धार्मिक भावनाओं का अपमान है। 'संत-महात्माओं की भूमि पर मजाक? बेशर्मी की हद है,' एक यूजर ने लिखा। कई लोगों ने इसे ईजी मणि सिंड्रोम का उदाहरण बताया। वृन्दावन और मथुरा में भिखारियों और साधुओं की संख्या काफी है। भक्तों की आस्था के कारण यहां भिक्षा मिलना अपेक्षाकृत आसान माना जाता है लेकिन स्थानीय प्रशासन और मंदिर समितियां अक्सर बाहरी भिखारियों पर नकेल कसने की कोशिश करती रहती हैं। इस प्रयोग से यह भी सामने आया कि पर्यटक और श्रद्धालु ज्यादा उदार होते हैं। मंदिरों के आसपास बैठने से कमाई बढ़ जाती है और युवा और स्वस्थ दिखने वाले व्यक्ति को भी अच्छी रकम मिल सकती है।

**समाज पर असर:** यह घटना दो बड़े मुद्दों को उजागर करती है। पहला- सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स बिना सोचे-समझे जिस किसी भी चीज को कंटेंट बना रहे हैं, बिना सोचे कि उसका समाज पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। दूसरा- बेरोजगारी और आसान पैसा कमाने की चाहत युवाओं को किस हद तक ले जा सकती है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे प्रयोग युवाओं में गलत संदेश भेजते हैं कि मेहनत की बजाय शॉर्टकट से पैसे कमाए जा सकते हैं।

## न्यूज विंडो

### जलस्तर गिरने से बढ़ी चिंता जल संकट गहराने के संकेत

**छिंदवाड़ा।** छिंदवाड़ा शहर में पेयजल संकट अब गंभीर रूप लेने लगा है। शहर को पानी पिलाने वाले प्रमुख कन्हरगांव डेम का जलस्तर लगातार गिरते हुए अब महज 0.23 सेंटीमीटर पर पहुंच गया है। जल विशेषज्ञों के अनुसार, मौजूदा खपत को देखते हुए पुराने शहर के लिए अब सिर्फ 4 दिन का ही पानी शेष बचा है। मानसून की बेरुखी और बारिश में हो रही देरी ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। यदि आने वाले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं होती है, तो जल संकट से निपटने के लिए नगर निगम को मजबूरन नई व्यवस्था लागू करनी पड़ेगी।

### नगरपालिका के अतिक्रमण दल ने किया 7500 रुपए का जुर्माना

**नर्मदापुरम।** नगरपालिका के अतिक्रमण दल द्वारा नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सोमवार को कार्रवाई की गई। जिसमें प्रमुख रूप से मीनाक्षी चौक पर दुकानदारों द्वारा दुकान की सीमा से बाहर सामग्री रखने पर जुर्माने की कार्रवाई कर समझाइश भी दी गई। बाहर  पर सामग्री रखने वालों पर 7500 जुर्माना किया गया। अतिक्रमण दल प्रभारी शेख अकबर ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देशन में अतिक्रमण दल द्वारा मार्ग अवरूद्ध करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। मीनाक्षी चौक पर दुकानदारों द्वारा सामग्री बाहर रख ली गई थी। जिन पर आज कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान आरके ट्रेडर्स पर 2000, आरके आटो पार्टस पर 2000 और एके फ्लोर पाइंट पर 500 रुपए का जुर्माना किया गया। अतिक्रमण दल प्रभारी ने दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सामग्री दुकान की सीमा में ही रखें। पांच बार से अधिक किसी भी टप पर जुर्माना होता है तो उसके टप की निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। कार्रवाई के दौरान रवि सूर्यवंशी, शैलेंद्र साहू, सुनील अवस्थी, शेख सिंकदर, नीतेश गौर, सतीश रघुवंशी आदि उपस्थित रहे।

### निर्माण एजेंसी से ली बस स्टैंड की प्रगति की जानकारी

**नर्मदापुरम।** नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा आज नगर के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन बस स्टेंड का निरीक्षण किया तथा निर्माण एजेंसी से प्रगति रिपोर्ट की जानकारी ली गई। उन्होंने निर्माण एजेंसी को समय सीमा में कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मालाखेड़ी में बन रहे डाग सेल्टर का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने निर्माण एजेंसी से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उपयंत्री एवं कार्यप्रभारी दीक्षा तिवारी, निर्माण एजेंसी के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष श्रीमती यादव नगर में बन रहे सबसे महत्वपूर्ण बस स्टेंड पर यात्रियों के बैठने की व्यवस्था, बस पार्किंग का निरीक्षण किया। नपाध्यक्ष श्रीमती यादव ने बताया कि पर्यटन के क्षेत्र में नर्मदापुरम अग्रसर है। इसलिए यहां आने जाने वालों के लिए एक अत्याधुनिक स्टेंड की आवश्यकता को देखते हुए इसका निर्माण कराया जा रहा है। आज यहां का निरीक्षण किया गया है। साथ ही निर्माण एजेंसी को समय सीमा में और तेजगति से कार्य करने के निर्देश दिए।

### नर्मदापुरम में अवैध सट्टे पर पुलिस का बड़ा एक्शन, 14 सटोरिए गिरफ्तार

**नर्मदापुरम।** शहर में अवैध सट्टे के कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है, वहीं सात रिकॉर्डशुदा आरोपियों पर बीएनएसएस की धारा 170 के तहत भी कार्रवाई की गई है। एसडीओपी जितेंद्र पाठक ने सोमवार शाम को कार्रवाई का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि सब्जी मंडी, मीनाक्षी चौक, बालागंज, जय स्तंभ चौक, गुप्ता ग्राउंड के पास और बंगाली कॉलोनी क्षेत्र में कुछ लोग चोरी-छिपे रुपए का दांव लगाकर अवैध रूप से सट्टा संचालित कर रहे हैं। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला ने पुलिस टीम गठित कर विभिन्न स्थानों पर एक साथ दबिश दी। कार्रवाई के दौरान 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1 लाख 28 हजार रुपये नकद, तीन मोबाइल फोन, लगभग दो लाख रुपये की सट्टा पर्चियां सहित कुल 2 लाख 13 हजार रुपये मूल्य का सामान जब्त किया है।

### अग्रिम जमानत की अर्जी लगाई, मारपीट मामले में पुलिस को तीन आरोपियों की तलाश

# नागौद राजघराना गोलीकांड केस, पुलिस से बचकर आरोपी नागेंद्र सिंह ने कोर्ट में लगा दी अर्जी

**सतना। दोपहर मेट्रो**

जिले के अंतर्गत आने वाले नागौद के पूर्व राजघराने की परसमनिया गढ़ी में 11 जून को हुए बहुचर्चित गोलीकांड के बाद दर्ज मारपीट प्रकरण में नामजद आरोपी नागेंद्र सिंह ने गिरफ्तारी से बचने के लिए जिला न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। नागेंद्र सिंह घायल योगिता सिंह के भाई और रूपेंद्र सिंह के साले हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में नागेंद्र सिंह समेत तीन आरोपी अभी भी फरार हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रूपेंद्र सिंह उर्फ बाबा राजा के साथ मारपीट और तोड़फोड़ के मामले में नागेंद्र सिंह और दो अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। इसी बीच नागेंद्र सिंह ने जिला कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। पुलिस मामले की विवेचना जारी रखे हुए है। पुलिस के अनुसार रूपेंद्र सिंह की मेडिकल रिपोर्ट में उनके बाएं हाथ की कोहनी के नीचे फ्रैक्चर पाया गया था। रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 117 बढ़ाई गई थी। इससे पहले उनके बयान पर नागेंद्र सिंह और दो अन्य लोगों के खिलाफ मारपीट, तोड़फोड़ एवं अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई थी। घटना के बाद सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो सामने आए थे, जिनमें रूपेंद्र सिंह के साथ मारपीट होती दिखाई दी थी। आरोप है कि, विवाद के दौरान गढ़ी में रखे पुरखों के फोटो फ्रेम तोड़कर उनसे हमला किया गया था, जिससे उन्हें सिर, कान और कंधे में चोटें आई थीं। हालांकि पुलिस को गंभीर चोट हाथ में फेंक्चर के रूप में मिली।

#### रीवा में योगिता सिंह का चल रहा उपचार

दूसरी ओर गोली लगने से घायल हुईं योगिता सिंह का उपचार अभी भी रीवा के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, उनकी हालत में पहले की अपेक्षा सुधार है, लेकिन डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है।

#### यह था पूरा विवाद

पुलिस जांच के अनुसार, रूपेंद्र सिंह और उनकी पत्नी योगिता सिंह के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। 11 जून को योगिता सिंह अपने परिजन के साथ परसमनिया गढ़ी पहुंची थीं। उस समय गढ़ी में रूपेंद्र सिंह के साथ उनकी कथित बिजनेस पार्टनर सुनीता सिंह परिहार मौजूद थीं। इसी दौरान दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई।

#### आरोपियों की तलाश जारी

आरोप है कि विवाद के बीच सुनीता सिंह परिहार ने खुद को कमरे में बंद कर खिड़की से कई राउंड फायर किए, जिनमें से एक गोली योगिता सिंह के पेट में लगी थी। पुलिस फायरिंग की आरोपी सुनीता सिंह परिहार को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है, जबकि मारपीट मामले में नामजद आरोपियों की तलाश अभी जारी है।

## कूनो से रिहायशी इलाके में पहुंचा चीता स्कूल के पास पहुंचते ही दहशत में लोग

**श्योपुर। दोपहर मेट्रो**

जिले के विजयपुर क्षेत्र अंतर्गत दुबेरा गांव में सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कूनो नेशनल पार्क से निकलकर एक मादा चीता गांव में पहुंच गई। चीता खेतों से होते हुए गांव की गलियों और फिर सरकारी प्राथमिक स्कूल के पास तक जा पहुंचा, जिससे पूरे इलाके में डर का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार मादा चीता सुबह दुबेरा गांव की सीमा में दाखिल हुई थी। शुरुआत में वह खेतों के आसपास घूमती रही लेकिन कुछ देर बाद रिहायशी इलाके की ओर बढ़ गई।

देखते ही देखते चीता गांव की गलियों में घूमने लगी और सरकारी स्कूल के नजदीक पहुंच गई। स्कूल के पास चीता दिखाई देने की खबर फैलते ही ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। अभिभावकों ने एहतियातन अपने बच्चों को घरों के भीतर बुला लिया, जबकि स्कूल और आसपास के क्षेत्र में कुछ समय के लिए सन्नाटा पसर गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक चीते को देखकर कुछ ग्रामीणों ने शोर मचाया और लाठी-डंडों की मदद से उसे आबादी वाले क्षेत्र से दूर भगाने का प्रयास किया। इस दौरान मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें चीते की गतिविधियां और ग्रामीणों की भीड़ दिखाई दे रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि जब चीता गांव में घूम रहा था, उस समय वन विभाग या चीता मित्र टीम का कोई सदस्य मौके पर मौजूद नहीं था। इसे लेकर लोगों ने नाराजगी भी जताई है। गौरतलब है कि यह पहला मौका नहीं है, जब कूनो नेशनल पार्क का कोई चीता जंगल की सीमा से बाहर निकला हो। चीता परियोजना शुरू होने के बाद कई बार चीते आसपास के गांवों, खेतों और आबादी वाले क्षेत्रों के नजदीक देखे जा चुके हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार चीते अक्सर अपना क्षेत्र तलाशने या शिकार का पीछा करते हुए जंगल की सीमा से बाहर निकल आते हैं।

## मुझे छोड़ गई मां, इसलिए मार डाला, गुना में एक घर में मिलीं तीन लाशें, बेटे ने खोला राज

**गुना। दोपहर मेट्रो**

गुना के म्याना में रविवार को एक और फिर सोमवार को दो शव मिलने से सनसनी फैलाने वाले ट्रिपल मर्डर केस का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। सीताराम जाटव ने मौसेरे भाई सुरेंद्र और एक अन्य के साथ मिलकर तीनों हत्या की थीं। बेटे सीताराम ने मां गिंदा बाई का भी मर्डर किया। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत लिया है। तीसरे की तलाश जारी है। एसपी हितिका वासल ने बताया कि रविवार को गांव में मकान से ओमप्रकाश शर्मा (60) का शव मिलने के बाद सोमवार को दोबारा घर की तलाशी में बदरवास निवासी गिंदा बाई जाटव और कोलारस जिला शिवपुरी के रामकृष्ण जाटव के भी शव मिले। मामले की जांच के लिए कई टीमें बनाई गई थीं। बाहर से ताला पुलिस के मुताबिक मुख्य आरोपी सीताराम अपनी मां के ओमप्रकाश से संबंधों को लेकर नाराज था। पुलिस पूछताछ में उसने कहा कि मां, पिता और मुझे छोड़ गई थी, इसलिए मार डाला।

म्याना थाना क्षेत्र में 24 घंटे के भीतर एक ही परिसर के बंद कमरों से तीन सड़ी-गली लाशें मिलने के सनसनीखेज मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। इस खौफनाक तिहरे हत्याकांड के पीछे अवैध संबंध, जमीन का लालच और पारिवारिक नाराजगी की खूनी दास्तान सामने आई है। गुना एसपी हितिका वासल ने तत्परता दिखाई और साइबर-फॉरेंसिक टीमों की मुस्तैदी से इस अंधे कत्ल की गुत्थी चंद घंटों में सुलझ गई। इस मामले का शिवपुरी कनेक्शन सामने आते ही पुलिस की राह आसान हो गई। 21 जून को म्याना में हनुमान मंदिर के पास रहने वाले 60 वर्षीय ओमप्रकाश शर्मा के घर से बदबू आने पर पुलिस ने उनका शव बरामद किया था। अगले दिन, 22 जून को पास के ही दूसरे बंद कमरे से बदरवास की गिंदा बाई जाटव और एक अज्ञात पुरुष की लाश मिली। शिवपुरी पुलिस की मदद से जब जांच आगे बढ़ी, तो कोलारस के मानीपुरा निवासी सोनू जाटव ने तीसरे शव की पहचान अपने पिता रामकृष्ण जाटव के रूप में की। इसके बाद म्याना पुलिस ने कड़ी जोड़ना शुरू किया।

## मुरैना में 'ठांय-ठांय', बदमाशों ने घर पर की ताबड़तोड़ 16 राउंड फायरिंग, वीडियो वायरल

**मुरैना। दोपहर मेट्रो**

शहर की आजाद नगर कॉलोनी में उस समय दहशत फैल गई, जब दो बाइकों पर सवार चार बदमाशों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए करीब दो मिनट में 16 राउंड फायरिंग कर दी। बदमाश लगातार गालियां देते हुए मकान मालिक को बाहर निकलने की धमकी देते रहे। हालांकि मकान मालिक ने दीवार के पीछे छिपकर अपनी जान बचाई। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुटी हुई है। मामला रविवार रात का बताया जा रहा है।

शहर की आजाद नगर कॉलोनी में रविवार रात करीब 10.55 बजे चार हथियारबंद बदमाशों ने एक मकान पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर सनसनी फैला दी। बदमाश दो बाइकों पर सवार होकर आए थे और उनका निशाना आजाद नगर निवासी राधेश्याम का मकान था।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बदमाश पहले मकान के गेट तक पहुंचे और अपनी बाइक गेट से टकराई। इसके बाद उन्होंने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। करीब दो मिनट तक चली इस वारदात में 16 राउंड गोलियां चलाई गईं। गोलीबारी की आवाज सुनकर पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपने घरों में दुबक गए।

घटना के दौरान राधेश्याम भी घर के गेट के पास पहुंचे थे, लेकिन गोलीबारी शुरू होते ही उन्होंने दीवार की ओट लेकर अपनी जान बचाई। बताया जा रहा है कि बदमाश फायरिंग करते समय लगातार गाली-गलौज कर रहे थे और राधेश्याम को बाहर निकलने की धमकी दे रहे थे। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। उधर अब पुलिस ने सीसीटवी फुटेज में नजर आ रहे बदमाशों की पहचान करने में जुटी है। फिलहाल फायरिंग के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बदमाशों ने राधेश्याम के घर को ही निशाना क्यों बनाया। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

## एसबीआई के करोड़ों डकार गए नकली सोने के सौदागर, सीबीआई ने मारे छापे

**विदिशा। दोपहर मेट्रो**

विदिशा में करोड़ों रुपये के कथित गोल्ड लोन घोटाले की जांच के सिलसिले में सोमवार को सीबीआई ने कई ठिकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई की जद में शहर के प्रमुख सर्राफा कारोबारी प्रतिष्ठान और मामले से जुड़े अन्य संदिग्ध लोग आए हैं। छापेमारी की खबर फैलते ही सर्राफा बाजार और बैंकिंग क्षेत्र में हलचल मच गई।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने कथित रूप से नकली सोना गिरवी रखकर भारतीय स्टेट बैंक से करोड़ों रुपये का गोल्ड लोन हासिल किया। आरोप है कि असली सोने की जगह तांबा और पीतल जैसी धातुओं पर सोने की परत चढ़ाकर उन्हें सोने के आभूषण के रूप में प्रस्तुत किया गया।

जांच एजेंसियों को आशंका है कि इस प्रक्रिया में फर्जी वेल्यूएशन सर्टिफिकेट का इस्तेमाल किया गया। आरोप है कि कुछ ज्वेलर्स द्वारा जारी प्रमाण पत्रों के आधार पर नकली गहनों को उच्च गुणवत्ता का सोना बताकर बैंक में जमा कराया गया और उसके एवज में लोन स्वीकृत कराए गए। मामला सामने आने के बाद एसबीआई प्रबंधन ने कार्रवाई करते हुए शाखा प्रबंधक और एक ऋण अधिकारी को निलंबित कर दिया है। बैंक के आंतरिक ऑडिट के दौरान कथित अनियमितताओं का पता चलने पर मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद जांच सीबीआई को सौंपी गई।

**मेट्रो एंकर** नव निर्मित शिवालय में आयोजित श्री नर्मदेश्वर महादेव शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव

# हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा कालाबाग

**गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो**

बरेठ रोड स्थित कालाबाग में नव निर्मित शिवालय में आयोजित श्री नर्मदेश्वर महादेव शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चार, कलश यात्रा और विविध धार्मिक अनुष्ठानों के साथ श्रद्धा एवं भक्ति के माहौल में हुआ। महोत्सव के प्रथम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही, जिससे पूरा क्षेत्र शिवमय हो उठा। प्रातःकाल आचार्यों के सान्निध्य में गणेश पूजन, देव आवाहन, मंडप प्रवेश सहित अन्य वैदिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। इसके बाद महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर मंगल कलश धारण कर भव्य कलश यात्रा निकाली। यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी, जहां श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस दौरान हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।

आयोजन समिति के अनुसार महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन रुद्राभिषेक, यज्ञ, हवन, पूजन, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक प्रवचन आयोजित किए जाएंगे। महोत्सव का समापन 24 जून को प्राण-प्रतिष्ठा, महापूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ होगा। आयोजन को सफल बनाने में समिति के पदाधिकारी एवं स्थानीय श्रद्धालु सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से हरजीत सिंह जोसन (पप्पू सरदार), अवदेश तिवारी, निरंजन सिंह रघुवंशी, टी.एल. शुक्ला, रामकरण सिंह रघुवंशी, सुरेंद्र सिंह यादव, रामकृष्ण सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

### निसरपुर में किसान के घर 12 लाख की डकैती, कटर से दरवाजा काट घुसे 6 नकाबपोश बदमाश

# गर्दन पर फालिया अड़ाया... जेवर और नकदी चुराकर हो गए फरार

**धार। दोपहर मेट्रो**

जिले के निसरपुर पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम पुरा में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात हथियारों से लैस बदमाशों ने एक सुनसान खेत में बने मकान को निशाना बनाते हुए कटर से लोहे का मुख्य दरवाजा काटा और घर में घुस गए। बदमाशों ने मकान मालिक की गर्दन पर धारदार हथियार अड़ाकर बंधक बनाया और अलमारियां खंगालकर करीब 12 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात व नकदी समेटकर फरार हो गए। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित किसान अमृतलाल पाटीदार का मकान गांव से सटे खेत में बना हुआ है। रविवार देर रात जब परिवार सो रहा था, तभी छह हथियारबंद डकैत कटर लेकर मुख्य लोहे के दरवाजे पर पहुंचे और उसे काट दिया। दरवाजे के कटने की आवाज सुनकर जैसे ही अमृतलाल की नींद खुली, बदमाशों ने उन्हें संभलने का मौका नहीं दिया। एक बदमाश ने तत्काल अमृतलाल की गर्दन पर फालिया अड़ा दिया और शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद बाकी बदमाशों ने घर के कमरों में घुसकर अलमारीके ताले तोड़ डाले। वारदात के वक्त घर में केवल अमृतलाल और उनकी बहू ही मौजूद थे। बताया जा रहा है कि अमृतलाल का बेटा इन दिनों केदारनाथ की धार्मिक यात्रा पर गया हुआ है, जबकि उनकी पत्नी किसी पारिवारिक कार्य से सूरत गुजरात गई हुई हैं। घर को सूना और सुनसान पाकर बदमाशों ने इस सुनियोजित डकैती को अंजाम दिया, बदमाश अमृतलाला के घर से 7 तोला सोना, चांदी के आभूषण और करीब दो लाख रुपए की नगदी लेकर फरार हो गए, चोरी गए सामान की कुल कीमत 12 लाख से अधिक की आंकी गई है। बदमाशों के जाने के बाद अमृतलाल ने ग्रामीणों को फोन किया। रात में ही ग्रामीणों ने डकैतों की काफी खोजबीन की, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपी भागने में सफल रहे।

### पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

घटना की सूचना मिलते ही सोमवार सुबह निसरपुर चौकी प्रभारी रवि वास्के पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए दोपहर में कुक्षी एसडीओपी सुनील गुप्ता और कुक्षी टीआई राजेश यादव ने भी घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया और पीड़ित परिवार से बयान लिए। निसरपुर चौकी प्रभारी रवि वास-?के ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सीसीटीवी फूटेज खंगाले जा रहे है, जल्द आरोपी गिरफ्तार होंगे।

## न्यूज विंडो

### आनंदम म्यूजिकल ग्रुप ने मनाया विश्व संगीत दिवस

**नरसिंहपुर।** संगीत का संबंध दिल से होता है।संगीत की कोई जाति नहीं।इस प्रकार के विचार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रुद्रेश तिवारी एवं अमितेंद्र नारोलिया द्वारा विश्व संगीत दिवस पर आनंदम म्यूजिकल ग्रुप के गीत मधुरम कार्यक्रम में दिये। डॉ. उपेन्द्र पाठक द्वारा स्वस्तिवाचन एवं माधव शिन्दे द्वारा मां सरस्वती वंदना से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में तरुणेन्द्र ठाकुर संचालक नरसिंह पब्लिक स्कूल,पाठक वार्ड पार्षद सुमन रोशन सिंह राजपूत के द्वारा प्रतिभागियों को अपनी ओर से शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में अनिल नेमा, अरविंद पाठक डॉ अनुराग वर्मा, आशुतोष वर्मा,माधव शिन्दे, मुकेश शर्मा, बृजेश विश्वकर्मा, राजमणि विश्वकर्मा, सूर्यकांत नेमा, विश्वनाथ ठाकुर, राजेश गुप्ता, मुकेश गुप्ता, मनोज नेमा, सुश्री मनीषा धुर्वे मति रश्मि जाट, सचिन पाठक, विकास हार्दिक नेमा, चंद्रभान मेहरा, पवन सुहागिया, गजेंद्र कोष्ठा,योगेश गुप्ता आदि ने मधुर गीत गाकर विश्व संगीत दिवस मनाया। कार्यक्रम का आयोजन नरसिंह पब्लिक स्कूल रेवा नगर में आयोजित किया। कार्यक्रम संचालन भागीरथ विश्वकर्मा एवं आभार मुकेश शर्मा द्वारा किया गया । कार्यक्रम के केंद बिंदु में नरसिंहपुर जिले का नाम रोशन करने वाले इंडियन आइडियल के सहभागी विराट सेन रहे। कार्यक्रम में संगीत से जुड़े प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पितृ दिवस की यादें ताजा करते हुए 80 वर्ष की आयु के रामगोपाल पाठक ने जिंदगी भर नहीं भूलेंगे ये बरसात की रात।गाकर ये सिद्ध किया कि संगीत की कोई उम्र नहीं होती।

### टाइगर रिजर्व से सटे गांव में बाघ का हमला, युवक घायल

**तेंदूखेड़ा।** वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व से सटे मुहली पटना गांव में सुबह लगभग 10 बजे बाघ के हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। रिजर्व क्षेत्र में पिछले आठ वर्षों में बाघों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और इसी के साथ मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं की आशंका भी बढ़ी है। क्षेत्र में यह पहली घटना बताई जा रही है, जिसमें बाघ ने किसी व्यक्ति पर हमला किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुहली पटना निवासी सुदामा यादव 31 वर्ष सोमवार सुबह लगभग 9 बजे घर के समीप पशुओं के लिए चारा लेने गए थे। इसी दौरान बाड़े के पास झाड़ियों में छिपे एक बाघ पर उनकी नजर पड़ी। बाघ को देखते ही उन्होंने वहां से भागने का प्रयास किया, लेकिन बाघ ने पीछे से उन पर हमला कर दिया। हमले में सुदामा यादव के हाथ और पीठ पर गंभीर चोटें आईं। घायल युवक ने बताया कि बाघ ने पहले उनका हाथ पकड़ लिया और बाद में पीठ पर पंजों से वार किया। उनकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिन्हें देखकर बाघ जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों की मदद से घायल युवक को तत्काल रहली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए सागर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार युवक की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर है। हाथ और पीठ पर गंभीर घाव होने के कारण उन्हें लगभग 10 टांके लगाए हैं। चिकित्सकों का कहना है कि चोटें गंभीर हैं, लेकिन समय पर उपचार मिलने से स्थिति नियंत्रण में है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बाघ की गतिविधियों और पंजों के निशानों की जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है तथा ग्रामीणों को रात के समय घरों से बाहर न निकलने और जंगल की ओर जाने से बचने की सलाह दी गई है। घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले कई दिनों से क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी के संकेत मिल रहे थे।

### तेज रफ्तार ट्राला ने कार को मारी टक्कर, एक की मौत

**जबलपुर।** जबलपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बरेला थाना क्षेत्र के नागाघाटी में देर रात करीब 8 से 9 बजे के बीच सड़क हादसा हो गया। यहां एक तेज रफ्तार ट्राला ने आगे चल रही अर्टिगा कार को पीछे से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में कार सवार एक युवक की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

### लोगों को आधा से एक घंटे का आश्वासन देकर देर रात दे रहे पानी या फिर दूसरे दिन

# नर्मदा परियोजना के कर्मचारियों की मनमानी नियम हर दिन पानी देने का, मिल रहा चार दिन में

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

नगर में भीषण गर्मी के बीच पेयजल आपूर्ति व्यवस्था चरमराने से नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एक ओर नगर परिषद एवं प्रशासनिक अधिकारी बैठकों के माध्यम से सुचारु जलापूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयास कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मैदानी स्तर पर अव्यवस्थित जल वितरण और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

नगर में पेयजल की आपूर्ति मुख्य रूप से नर्मदा जल परियोजना के माध्यम से की जाती है, जबकि जिन क्षेत्रों तक नर्मदा का पानी नहीं पहुंच पाता, वहां नगर परिषद के बोरवेलों से जल सप्लाई की व्यवस्था है। वर्तमान में नर्मदा जलापूर्ति का कोई निश्चित समय निर्धारित नहीं होने के कारण तीन से चार दिन के अंतराल में किसी भी समय पानी छोड़ा जा रहा है। इससे बड़ी संख्या में नागरिक समय पर पानी संग्रह नहीं कर पा रहे हैं और उन्हें पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। नगरवासियों का कहना है कि पिछले कई वर्षों से एक दिन छोड़कर नियमित जलापूर्ति की व्यवस्था बनी हुई थी, लेकिन इस बार गर्मी के मौसम में जल वितरण का कोई तय समय नहीं होने से स्थिति और गंभीर हो गई है। वार्ड क्रमांक 8 के निवासी रमेश, अजय, अनिल, सौरभ सहित अन्य नागरिकों ने आरोप लगाया कि नगर परिषद के कुछ कर्मचारी जल लाइन खोलने या जलापूर्ति संबंधी जानकारी मांगने पर अभद्र व्यवहार करते हैं तथा आम लोगों से उचित तरीके से बात नहीं करते। उनका कहना है कि नागरिक नियमित रूप से जलकर का भुगतान करते हैं, लेकिन पानी महीने में केवल 10 से 15 दिन ही उपलब्ध हो पाता है, जबकि शुल्क पूरे माह का वसूला जाता है।

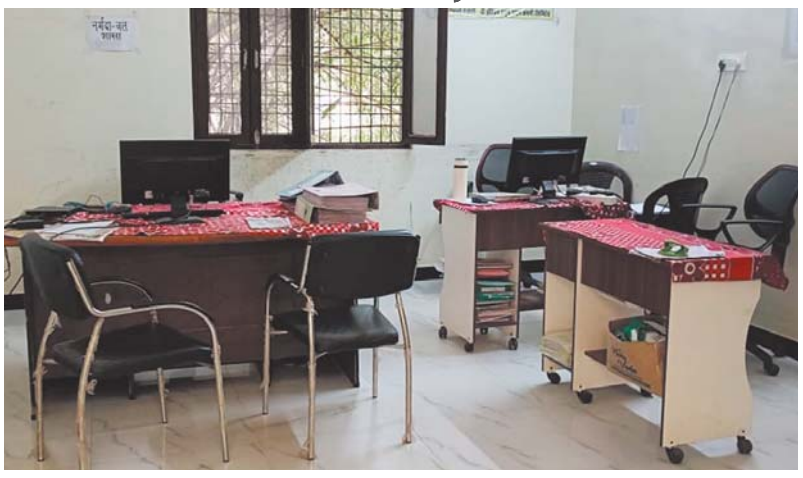

नर्मदा परियोजना कार्यालय में खाली पड़ी कुर्सियां शिकायत करने वाले होते रहे परेशान।

सोमवार को वार्ड 9 में तीन दिन बाद सुबह लगभग 10:30 बजे जलापूर्ति शुरू की गई, लेकिन मात्र 10 मिनट बाद ही सप्लाई अचानक बंद हो गई। इस दौरान नागरिकों ने नर्मदा लाइन के कर्मचारियों से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन किसी ने फोन रिसीव नहीं किया। लगभग एक घंटे बाद पुनः सप्लाई शुरू हुई, लेकिन पानी रुक-रुक कर और धीमी गति से आता रहा, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई। नर्मदा परियोजना में कार्यरत अनीश यादव द्वारा अपनी मनमानी की जाती है जब वार्डवासी इनसे पानी की सप्लाई चालू करने संपर्क करते हैं अनीश यादव द्वारा लोगों को आधा घंटे से एक घंटे बोलकर पूरे दिनभर गुमराह किया जाता हैं और देर-रात कभी 10 तो कभी 11 बजे सप्लाई चालू की जाती है साथ ही अगर वार्डवासी पानी की सप्लाई को लेकर बात करते हैं तो दिनभर गुमराह करके दूसरे दिन सुबह 11 बजे से 2 बजे के बीच पानी की सप्लाई चालू की जाती है जब इन से सप्लाई को लेकर पूछा जाता है तो इनके द्वारा कई कमियां बातकर लोगों को परेशान किया जाता है नगरवासी एवं वार्डवासियों ने अधिकारियों से मांग की है नर्मदा परियोजना में कार्यरत अनीश यादव सहित अन्य लापरवाह कर्मचारियों को हटाया जाए एवं उचित कार्रवाई की जाए और जल सप्लाई सुनिश्चित की जाए।

### अधिकारी नहीं देते ध्यान

इस और तेंदूखेड़ा एसडीएम द्वारा सिर्फ आश्वासन देकर अपनी खानापूर्ति कर लेते हैं लेकिन आज तक इस और हजारों लोगों की पानी की समस्याओं की शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई ना ही नगर परिषद के सीएमओ द्वारा भी इस ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसके कारण नर्मदा परियोजना भगवान भरोसे चल रही है और कार्यरत कर्मचारी अपनी मनमानी पर उतारू हैं जब इनसे शिकायत की बात की जाती है उनके द्वारा लोगों को कहीं भी शिकायत करने की धमकी दी जाती है साथ ही 181 पर शिकायत का शिकायतकर्ता से बिना पूछे निराकरण कर दिया जाता है। नगर के विभिन्न वार्डों के नागरिकों ने मांग की है कि जलापूर्ति का निश्चित समय निर्धारित किया जाए, कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाए तथा गर्मी के मौसम में पेयजल संकट से राहत दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उधर एसडीएम सी.जी. गोस्वामी ने कहा कि यदि कर्मचारियों द्वारा अभद्र व्यवहार की शिकायत प्राप्त होती है तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि नगर परिषद कर्मचारियों की बैठक बुलाकर जलापूर्ति व्यवस्था को सुधारने तथा नागरिकों की समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए जाएंगे।

## शराब दुकान पर रंगदारी कर मुफ्त में शराब ले जाने वाले दो आदतन अपराधी गिरफ्तार

**धार। दोपहर मेट्रो**

कुक्षी में शासकीय शराब दुकान पर मारपीट कर मुफ्त में शराब ले जाने और रंगदारी आड़ीबाजी दिखाने वाले दो शातिर और आदतन अपराधियों को निसरपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी मारपीट और अवैध शराब तस्करी जैसे कई गंभीर मामले दर्ज हैं। मामले में मामले का एक आरोपी अभी भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

**क्या था पूरा मामला:** पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मूल रूप से बिहार के गया जिले के रहने वाले रुद्रप्रकाश पिता महेश गुप्ता वर्तमान में गणपुर चौकड़ी स्थित शासकीय देसी व अंग्रेजी शराब दुकान नर्मदानगर पर सेल्समैन का काम करते हैं। गत 28 जनवरी की रात करीब साढे 8 बजे, आरोपी एक सफेद रंग की वैगनआर कार एमपी 09 डीपी 2946 से शराब दुकान पर पहुंचे। कार से उतरकर कान्हा और राहुल डोडवे काउंटर पर आए और सेल्समैन से 12 बीयर केन व एक शराब की बोतल मांगी। जब सेल्समैन रुद्रप्रकाश ने राशि की मांग की, तो आरोपियों ने पैसे देने से साफ मना कर दिया। आरोपियों ने सेल्समैन को गाली-गलौज करते हुए काउंटर में घुसने का प्रयास किया और सेल्समैन के साथ मारपीट की। कार में बैठे दो अन्य साथियों ने भी जान से मारने की धमकी दी और जबरन शराब लेकर फरार हो गए। पुलिस टीम ने घटनास्थल और शराब दुकान के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर दो आरोपियों राहुल पिता मधु डोडवे, योगेन्द्र उर्फ योगी पिता प्रेमलाल जाधव को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी राहुल ने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि घटना के वक्त कार में उसके साथ कान्हा, योगी और सुदर्शन भी मौजूद थे। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। मामले का तीसरा आरोपी सुदर्शन निवासी निसरपुर अभी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है।

## विनायक कुंज में दिन दहाड़े चोरी नकदी और आभूषण ले गए बदमाश

**धार। दोपहर मेट्रो**

शहर के कोतवाली थाना अंतर्गत इन दिनों बदमाश इस कदर बेखौफ हैं कि उन्हें अब रात के अंधेरे की भी जरूरत नहीं रही, वे दिन के उजाले में पुलिस की गश्ती को ठेंगा दिखाते हुए बेधड़क वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। पिछले 20 दिनों के भीतर कोतवाली क्षेत्र में एक के बाद एक 6 चोरियां हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस के हाथ अब तक पूरी तरह खाली हैं। त्रिमूर्ति नगर, तुलसी नगर, विनायक कुंज और भोज नगर जैसे पॉश और व्यस्त इलाकों में लगातार हो रही वारदातें पुलिस की सक्रियता और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवालिया निशान खड़े करती हैं। पुलिस की कार्यशैली पर दोहरा रवैया तब साफ उजागर होता है जब हम बदनावर की घटना को देखते हैं। बीते 3 जून को बदनावर में भाजपा के एक कद्दावर नेता के घर हुई सनसनीखेज चोरी का खुलासा करने के लिए एसपी सचिन शर्मा ने तत्काल एसआईटी का गठन कर दिया था। पुलिस टीमों ने आनन-फानन में राजस्थान तक दबिश दी, आरोपियों को दबोचा और जमकर वाह-वाही बटोरी। क्या पुलिस की मुस्तैदी सिर्फ वीआईपी चेहरों के लिए है। कोतवाली क्षेत्र के आम नागरिकों की मेहनत की कमाई पर जो डाका डल रहा है, क्या उसका सुराग लगाने के लिए कोई एसआईटी बनेगी या इन फाइलों को भी हमेशा की तरह धूल खाने के लिए छोड़ दिया जाएगा। शहर में पिछले कुछ दिनों के भीतर हुई चोरियों का सिलसिलेवार ब्यौरा पुलिसिया गश्त की पोल खोलने के लिए काफी है।

**मेट्रो एंकर** — कांग्रेस नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह सोनकच्छ पहुंचे

# '..हमें ही निपटा दिया', कार्यकर्ताओं के सामने छलका अजय सिंह का दर्द

**देवास। दोपहर मेट्रो**

जो कार्यकर्ता किसी वजह से दुखी हैं, उन्हें एक मंच पर लाकर कांग्रेस को मजबूत करने की जरूरत है। आज के समय में हमें भाजपा से नहीं, अपनों से जीतना है। कांग्रेस के कुछ लोग ऐसे हैं, जिन्हें किसी के हारने से खुशी होती है। जब कुछ बचेगा ही नहीं तो कैसे खुश रहोगे। आज 25 साल से कांग्रेस की सरकार नहीं है, 30 साल के लड़के को मालूम ही नहीं कि, कभी कांग्रेस पार्टी की सरकार रही भी है। उसे सिर्फ भाजपा याद है। हम कमजोर नहीं है, बल्कि कुछ लोग हमें कमजोर करने का प्रयास करते हैं। उनसे सावधान रहना होगा। ये बात मध्य प्रदेश के देवास जिले के सोनकच्छ पहुंचे पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल ने एक निजी कार्यक्रम के दौरान कही।

इस दौरान पार्टी में चल रही गुटबाजी को लेकर कार्यकर्ताओं के सामने उनका दर्द छलक गया। उन्होंने कहा, जब मैं नेता प्रतिपक्ष था तब हमने मेहनत करके सरकार बनवा दी, लेकिन दुर्भाग्य कि हमें ही निपटा दिया। 2018 में मैं पूरे समय कमलनाथ के साथ था, अपने क्षेत्र में गया ही नहीं था। सरकार बन गई, लेकिन मैं हार गया। अगर 2 दिन भी क्षेत्र में गया होता तो नहीं हारता। अगर मैं 4 हजार वोट से हारने वाला होता तो अगली बार 30 हजार से कैसे जीत जाता, क्योंकि इस बार हमने क्षेत्र छोड़ा ही नहीं। हमने कहा भाड़ में जाए कोई और, पहले हम जीतें, फिर देखा जाएगा। टिकट किसे मिलेगा ये छोड़कर हमें कांग्रेस पार्टी की सरकार बनानी है। जो क्षेत्र में मेहनत करेगा उसे अपने आप टिकट मिलेगा।

### मीनाक्षी मामले पर टिप्पणी

मीनाक्षी नटराजन के नामांकन ख़ारिज होने पर भी उन्होंने पार्टी के नेताओं पर ही कटाक्ष करते कहा कि, टिकट काटने वाले जो लोग थे अब चले गए हैं। वो अपना टिकट बचा लें, अब तो ये ही बड़ी बात है, जो आखिरी बचा था उसने नटराजन का इंतजाम कर दिया।

### न माला पहनेंगे, न साफा बांधेंगे

अजय सिंह ने आगे कहा कि, कुछ महीनों से मैं मध्य प्रदेश के अलग - अलग हिस्सों में बिना किसी के निर्देश पर भ्रमण कर रहा हूं, ताकि पुराने लोगों को इकट्ठा किया जाए। साथ ही, उन्होंने ये भी कहा कि जब तक मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार नहीं बन जाती, तब तक वे न तो माला पहनेंगे और न ही सिर पर साफा बांधेंगे। कार्यक्रम में सोनकच्छ एवं हाटपिपल्या विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

फीफा विश्वकप 2026 का 12वां दिन फुटबॉल फैंस के लिए यादगार रहा

# 100वें मैच में एम्बाप्पे का धमाका, फ्रांस ने इराक को 3-0 से रौंदकर जीता मुकाबला

**न्यूयॉर्क।** फीफा विश्वकप 2026 में 12वां दिन फुटबॉल फैंस के लिए यादगार रहा। एक ओर अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ दो गोल दागकर इतिहास रच दिया, तो दूसरी ओर फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे ने अपने 100वें अंतरराष्ट्रीय मैच को दो गोलों से यादगार बना दिया। अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 और फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराकर राउंड ऑफ-32 में अपनी जगह पक्की कर ली।

## ईराक के खिलाफ फ्रांस का शुरू से ही रहा दबदबा

फिलाडेल्फिया में खेले गए मुकाबले में फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराकर अपनी दूसरी लगातार जीत दर्ज की। मैच की शुरुआत से ही फ्रांस का दबदबा देखने को मिला और कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने 14वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। माइकल ओलीसे के पास पर एम्बाप्पे ने 20 गज की दूरी से शानदार लेफ्ट फुट शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचाया। यह उनके विश्वकप करियर का 15वां गोल था।

### इराक की गलती का एम्बाप्पे ने उठाया फायदा

54वें मिनट में इराकी डिफेंडर जैद तहसीन और गोलकीपर अहमद बासिल की बड़ी गलती फ्रांस के लिए वरदान साबित हुई। गोल किक के दौरान हुई चूक के बाद गेंद उस्मान डेम्बेले के पास पहुंची, जिन्होंने निस्वार्थ भाव से एम्बाप्पे को पास दिया और फ्रांसीसी कप्तान ने आसान गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। यह विश्वकप में एम्बाप्पे का 16वां गोल था, जिसके साथ उन्होंने मिरोस्लाव क्लोजे के पुराने रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। 66वें मिनट में माइकल ओलीसे ने एक और बेहतरीन पास दिया, जिस पर ओस्मान डेम्बेले ने गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया।

## लोगों को शायद मालूम नहीं...

# आलोचकों पर बरसे सूर्यवंशी तूफानी पारी का खोला राज

**नई दिल्ली , एजेंसी**

इंडिया-ए ने श्रीलंका-ए को 66 रनों से हराकर ट्राई सीरीज पर कब्जा जमा लिया। रविवार को दांबुला के रणगिरि दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में भारतीय टीम की जीत के हीरो वैभव सूर्यवंशी रहे। वैभव ने सिर्फ 29 गेंदों पर 94 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 10 चौके और 8 छक्के शामिल थे। वैभव ने पावरप्ले में ही इंडिया-ए के लिए मैच बना दिया था। वैभव को इस तूफानी इनिंग्स के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। खिताबी जीत के बाद वैभव सूर्यवंशी ने अपनी बल्लेबाजी को लेकर खुलकर बात की। 15 साल के वैभव ने आलोचकों को भी करारा जवाब दिया। हाल के दिनों में यह चर्चा तेज थी कि विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मशहूर वैभव लंबी पारियों और 50 ओवर के क्रिकेट में खुद को कैसे ढालेंगे। अब युवा बल्लेबाज ने बल्ले से सारे सवालों का जवाब दिया है। वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि उन्होंने बल्लेबाजी के दौरान ज्यादा कुछ नहीं सोचा।

उनका लक्ष्य सिर्फ शुरुआती 10 ओवरों का अधिकतम फायदा उठाना और अपनी योजना को मैदान पर लागू करना था। उन्होंने कहा, मैं ज्यादा नहीं सोच रहा था। बस पहले 10 ओवरों का पूरा फायदा उठाना चाहता था और जो योजना बनाई थी उसे लागू करना चाहता था। जब वैभव सूर्यवंशी से पूछा गया कि क्या उन पर लोगों की उम्मीदों का दबाव था, तो वैभव ने साफ कहा कि उन्होंने किसी तरह का दबाव महसूस नहीं किया। हालांकि उन्होंने माना कि शुरुआत में उनकी प्लानिंग सफल नहीं हो रही थी। उन्होंने कहा, कोई दबाव नहीं था, लेकिन मैं जो प्लान बना रहा था, वो सफल नहीं हो रहा था, मैंने कोचों से बात की और अभ्यास में उस पर काम किया। वो प्लान सफल रहा और नतीजा अपने आप सामने आ गया।

### सीरीज से मिली सीख

सीरीज से मिली सीख के बारे में पूछे जाने पर वैभव सूर्यवंशी ने मुस्कुराते हुए ऐसा जवाब दिया, जिसने सभी का ध्यान खींच लिया। उन्होंने कहा, मैंने इस सीरीज से बहुत कुछ सीखा है। लेकिन मैं 50 ओवर्स काफी खेल चुका है, लोगों को शायद मालूम नहीं है। इस युवा बल्लेबाज ने आगे कहा कि अलग परिस्थितियों और पिचों पर खेलना चुनौतीपूर्ण जरूर था, लेकिन उन्होंने इसका भरपूर आनंद लिया। वैभव कहते हैं,अलग कंडीशन्स, अलग पिचें और खेलने का तरीका भी थोड़ा अलग था, लेकिन मुझे मजा आया। यह एक अच्छी सीरीज रही। आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) 2026 में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन के बाद वैभव सूर्यवंशी पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। अब वह इस अनुभव को अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भुनाना चाहेंगे, जहां उनसे बड़ी इनिंग्स और मैच जिताऊ प्रदर्शन की उम्मीद की जाएगी।

# हिटमैन हैं भारत के नंबर-1 ओपनर, रन के मामले में सचिन-गावस्कर के बाद सहवाग को भी पछाड़ा

**मुंबई, एजेंसी**

भारत के दिग्गज ओपनर रोहित शर्मा 39 साल की उम्र में भी बड़े बड़े रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ चेन्नई में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में पूर्व भारतीय कप्तान ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। 79 रन की शानदार पारी खेलते हुए उन्होंने न सिर्फ भारत को आसान जीत दिलाई, बल्कि भारतीय क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों को पीछे छोड़ते हुए एक नया कीर्तिमान भी अपने नाम कर लिया।

हिटमैन ने 69 गेंदों में 79 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और तीन छक्के शामिल रहे। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने 219 रन के लक्ष्य को बेहद आसान बना दिया और भारत ने 28.4 ओवर में ही मैच जीतकर अफगानिस्तान का 3-0 से सूपड़ा साफ कर दिया। इस पारी के दौरान रोहित शर्मा ने वीरेंद्र सहवाग का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ओपनर बन गए हैं।

### बतौर ओपनर सबसे ज्यादा रन

| बल्लेबाज | रन |
|---|---|
| रोहित शर्मा | 16,137 |
| वीरेंद्र सहवाग | 16,119 |
| सचिन तेंदुलकर | 15,335 |
| सुनील गावस्कर | 12,258 |
| शिखर धवन | 10,867 |

इस उपलब्धि के साथ रोहित ने भारतीय क्रिकेट के तीन महान ओपनरों, सहवाग, सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ दिया है।

### उम्र के साथ रिकॉर्ड भी बढ़े

रोहित शर्मा ने एक और खास रिकॉर्ड अपने नाम किया। 39 वर्ष और 51 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाकर वह वनडे क्रिकेट में भारत के लिए सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने पचास से ज्यादा रन की पारी खेली हो। इससे पहले यह रिकॉर्ड मोहिंदर अमरनाथ के नाम था, जिन्होंने 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ 39 वर्ष और 21 दिन की उम्र में 88 रन बनाए थे।

## बेन स्टोक्स तो बच गए, लेकिन इंग्लिश क्रिकेट कटघरे में आ गया!

# ईसीबी-टीम मैनेजमेंट पर उठ रहे गंभीर सवाल

**लंदन, एजेंसी**

न्यूजीलैंड के खिलाफ 25 जून से शुरू हो रहे टेस्ट सीरीज के तीसरे एवं निर्णायक मुकाबले से पहले इंग्लिश टीम को बड़ी राहत मिली है। लंदन के एक नाइट क्लब में हुई घटना के बाद कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन पर अब और एक्शन नहीं लिया जाएगा। दोनों खिलाड़ियों की टीम में वापसी हो चुकी है और वे ट्रेंट ब्रिज में होने वाले इस मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे।

हालांकि इस पूरे मामले ने इंग्लिश क्रिकेट के अंदरूनी हालात को लेकर नई बहस छेड़ दी है। लॉर्ड्स टेस्ट में जीत के बाद माहौल उत्साहपूर्ण था। कप्तान बेन स्टोक्स और मुख्य कोच ब्रेंडन मैक्कुलम एशेज की शर्मनाक हार के बाद टीम को नई दिशा देने की बात कर रहे थे, लेकिन कुछ ही दिनों बाद नाइट क्लब विवाद ने पूरी कहानी बदल दी। दूसरे टेस्ट के लिए बेन स्टोक्स टीम से बाहर कर दिए गए थे। उस दौरान ब्रेंडन मैक्कुलम ने सार्वजनिक रूप से कहा कि उन्हें अपने कप्तान की चिंता है और वह लगातार

उनके संपर्क में हैं। हालांकि स्टोक्स जब काउंटी क्रिकेट में डरहम के लिए खेलते नजर आए तो कई लोगों को यह बयान हैरान करने वाला लगा। इससे यह सवाल भी उठा कि आखिर टीम मैनेजमेंट और खिलाड़ियों के बीच संवाद की स्थिति क्या है।

इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा चर्चा इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के रवैये को लेकर हुई, बोर्ड के शीर्ष अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से लगभग चुप्पी साधी रखी। पूर्व इंग्लिश कप्तान माइकल वॉन ने दावा किया कि कुछ लोग बेन स्टोक्स को दोबारा कप्तान नहीं देखना चाहते थे।

### कुक का तीखा सवाल

वहीं इंग्लैंड के एक और पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक ने भी तीखा सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर नेतृत्व कहां है? कुक के मुताबिक अगर इतने बड़े मामले पर फैसले लेने वाले लोग सामने नहीं आएंगे तो जवाबदेही कैसी तय की जाएगी? विवाद का एक बड़ा हिस्सा टीम पर लागू कर्फ्यू को लेकर भी रहा। शुरुआत में ईसीबी ने कहा था कि बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन ने टीम के कर्फ्यू का उल्लंघन किया है। लेकिन कुछ दिनों बाद इंग्लैंड के क्रिकेट निदेशक रॉब की ने खुलासा किया कि एटकिंसन को तो यह भी नहीं पता था कि कर्फ्यू लागू है। इसके बाद मामला और उलझ गया। ब्रैंडन मैक्कुलम ने माना कि कर्फ्यू की शर्तें लिखित रूप में खिलाड़ियों को नहीं दी गई थीं। उन्होंने स्वीकार किया कि भविष्य में ऐसे नियमों को बेहतर तरीके से लागू किया जाएगा। इस खुलासे ने इंग्लैंड टीम की प्रोफेशनल व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए। आलोचकों का कहना है कि अगर टीम के खिलाड़ी ही नियमों से अनजान हैं तो जिम्मेदारी किसकी है?

**मनोरंजन** **बॉलीवुड का कोना**

# अंशुला कपूर की शादी की गूंजने लगी शहनाई 'माता की चौकी' से शुरू हुआ जश्न

**मुंबई। फिल्म निर्माता बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर और उनके मंगेतर रोहन ठक्कर की शादी का जश्न शुरू हो चुका है। शादी से पहले आयोजित धार्मिक समारोह की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। कपूर परिवार की सदस्य महीप कपूर ने इस खास मौके की कई झलकियां साझा की हैं, जिनमें पूरा परिवार उत्साह और भक्ति के रंग में रंगा नजर आ रहा है।**

महीप कपूर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर तस्वीरें और वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'शादी शुरू... जय माता दी, अंशुला एवं रोहन।' तस्वीरों से साफ पता चलता है कि शादी के उत्सव की शुरुआत 'माता की चैकी' जैसे धार्मिक आयोजन से की गई है। इस दौरान अंशुला और रोहन माता रानी की प्रतिमा के सामने पूजा-अर्चना करते, आरती करते और परिवार के बड़ों का आशीर्वाद लेते नजर आए। पूरे समारोह का माहौल आध्यात्मिक और पारिवारिक खुशियों से भरा दिखाई दिया।

**कपूर परिवार के सितारों ने बढ़ाई रौनक-** इस खास मौके पर कपूर परिवार के कई सदस्य और करीबी दोस्त शामिल हुए। तस्वीरों में अर्जुन कपूर, जाह्नवी कपूर, खुशी कपूर, शनाया कपूर, महीप कपूर, संजय कपूर और परिवार के अन्य सदस्य नजर आए। हालांकि, अनिल कपूर, सोनम कपूर और रिया कपूर इस समारोह में दिखाई नहीं दिए। सोनम और रिया, अंशुला की चचेरी बहनें हैं।

### नाच-गाने और पारिवारिक पलों से सजा समारोह

महीप कपूर द्वारा साझा किए गए वीडियो में परिवार के सदस्य जमकर डांस करते और जश्न मनाते दिखाई दिए। अंशुला ने अपने कजिन्स और दोस्तों के साथ कई यादगार तस्वीरें भी खिंचवाईं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर जुलाई के पहले सप्ताह में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। पिछले कुछ महीनों से अंशुला अपनी शादी की तैयारियों में व्यस्त हैं। उन्हें भाई अर्जुन कपूर के साथ ब्राइडल शॉपिंग करते हुए भी देखा गया था।

## समृद्धि महामार्ग पर सफर कर गदगद हुए अनुपम खेर, बोले- भारत में दूरियां घट रही हैं और संभावनाएं बढ़ रही हैं

हिंदी सिनेमा के वरिष्ठ अभिनेता अनुपम खेर अक्सर सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखते हैं। इस बार उन्होंने महाराष्ट्र के बहुचर्चित समृद्धि महामार्ग पर यात्रा करने का अपना अनुभव साझा किया। दरअसल, अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर सड़क पर कार ड्राइव का एक वीडियो पोस्ट किया और इस अनुभव को खास व यादगार बताया।

अनुपम खेर ने इस वीडियो को पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, मैंने शिरडी से नागपुर तक सड़क मार्ग से यात्रा की, और यह सफर बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग पर था। क्या ही शानदार अनुभव था। सड़कें बेहद अच्छी हैं, यात्रा सुगम थी और

समय की बचत ने मुझे यह महसूस कराया कि भारत में अब दूरियां कम हो रही हैं और संभावनाएं बढ़ रही हैं।

अनुपम खेर ने आगे लिखा, प्रगति हमेशा बड़े शोर-शराबे के साथ सामने नहीं आती। कई बार विकास का एहसास तब होता है जब कोई व्यक्ति आरामदायक सफर करता है, समय पर अपनी मंजिल तक पहुंचता है और महसूस करता है कि उसके आसपास कितना बदलाव आ चुका है।

अभिनेता ने कहा, मैंने इस सफर का पूरा आनंद लिया। इसने मुझे उम्मीद, गर्व और भविष्य को लेकर उत्साह से भर दिया। देश बदल रहा है, और इस बदलाव को अपनी आंखों से देखना वास्तव में बहुत अच्छा अनुभव है। हालांकि अभिनेता ने एक महत्वपूर्ण सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा, इस पूरे सफर पर बस एक चीज की जरूरत है- रास्ते में खाने-पीने के आउटलेट्स की। बता दें कि समृद्धि महामार्ग महाराष्ट्र की सबसे महत्वाकांक्षी सड़क परियोजनाओं में से एक माना जाता है। लगभग 701 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे मुंबई और नागपुर को जोड़ता है।

**मेट्रो बाजार**

# आने वाले समय में भारतीय सामानों की तुलना में यात्रा और होटलों पर करेंगे ज्यादा खर्च

**नई दिल्ली ।** भारतीय 2025 से 2030 के बीच वास्तविक सामानों की अपेक्षा सांस्कृतिक गतिविधियों, अनुभवों, होटल और यात्रों पर अधिक खर्च करेंगे। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। रियल एस्टेट सर्विस और इन्वेस्टमेंट फर्म सीबीआरई रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान वास्तविक सामानों पर परिवारों का खर्च 9.1 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ने की संभावना है, जबकि अनुभव से जुड़े खर्चों में 10.3 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़ोतरी हो सकती है।

इस दौरान होटल में ठहरने पर होने वाले खर्च के 10.6 प्रतिशत सीएजीआर की दर से बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में लाइफस्टाइल होटलों की संख्या अभी कम है, इसलिए यहां डेवलपर्स और निवेशकों के लिए काफी संभावनाएं हैं। जेन जी ट्रैवलर्स को शानदार और खास डिजाइन वाले माहौल की चाहत होती है, जो सोशल मीडिया पर बैकड्रॉप का काम कर सकें। उन्हें ऐसी पर्सनलाइज्ड सर्विस चाहिए जो कॉर्पोरेट के पारंपरिक अंदाज से अलग हो, और ऐसी एक्टिव कम्युनल स्पेस चाहिए जहां वाइन टेस्टिंग, अकॉस्टिक परफॉर्मेंस और स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे अनुभव मिल सकें। रिपोर्ट में बताया गया कि सेल्फ-चेक-इन से लेकर स्मार्ट-रूम ऑटोमेशन तक, वेलनेस इंटीग्रेशन और निर्बाध तकनीक अब अपेक्षा बन गई है, न कि कोई विशिष्ट विशेषता। इस मांग को पूरा करने के लिए लाइफस्टाइल होटल एक नई श्रेणी उभर रही है।

# एमएससीआई में बदलाव से भारतीय इक्विटी में आ सकता है 30,000 करोड़ का इनफ्लो

**नई दिल्ली ।** मॉर्गन स्टेनली कैपिटल इंटरनेशनल (एमएससीआई) की ओर से अगस्त में एमएससीआई इंडिया स्टैंडर्ड इंडेक्स में बदलाव किया जा सकता है और इससे भारतीय इक्विटी में 30,214 करोड़ रुपये का इनफ्लो आ सकता है। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में दी गई। जेएम फाइनेंशियल की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि लॉरस लैब्स और बायोकॉन के इंडेक्स में शामिल होने के लिए सबसे मजबूत दावेदारों के तौर पर उभर रहे हैं। यह बदलाव 31 अगस्त से लागू होने की उम्मीद है।

ब्रोकरेज का अनुमान है कि लॉरस लैब्स और बायोकॉन के एमएससीआई इंडिया स्मॉल कैप इंडेक्स से एमएससीआई इंडिया स्टैंडर्ड इंडेक्स में शामिल होने की संभावना ज्यादा है। इससे ग्लोबल पैसिव फंड और एमएससीआई बेंचमार्क को ट्रैक करने वाले ईटीएफ से और अधिक निवेश आ सकता है। ब्रोकरेज के अनुमान के मुताबिक, लॉरस लैब्स में लगभग 4,683 करोड़ रुपये और बायोकॉन में करीब 2,785 करोड़ रुपये का निवेश आ सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अपार इंडस्ट्रीज और ऊनो मिंडा ऐसे अन्य स्टॉक्स हैं जिनके स्टैंडर्ड इंडेक्स में अपग्रेड होने की संभावना मध्यम है। इनमें क्रमशः 2,464 करोड़ रुपये और 1,936 करोड़ रुपये का संभावित इनफ्लो आ सकता है। एनालिस्ट्स का कहना है कि एमएससीआई इंडेक्स रीबैलेंसिंग के कारण मई के आखिरी ट्रेडिंग दिन में ट्रेडिंग के अंतिम 30 मिनटों में उतार-चढ़ाव बढ़ गया, जिससे सेशन के आखिर में भारी गिरावट आई। रिपोर्ट में बताया गया कि इन्वेस्टर्स और ट्रेडर्स एमएससीआई इंडेक्स रिव्यू पर बारीकी से नजर रखते हैं क्योंकि इनमें होने वाले बदलावों से लागू होने की तारीख के आसपास ट्रेडिंग एक्टिविटी और पैसिव फंड इनफ्लो में बड़ी हलचल हो सकती है।

# झारखंड : धनबाद में जोरदार धमाके के साथ 100 मीटर धंस गई मुख्य सड़क

**टापू बन गए 30 गांव**

**धनबाद।** जिले के निरसा स्थित ईसीएल मुगमा इलाके के चापापूर ओसीपी के पास अचानक जमीन धंसने से बड़ा हादसा हो गया। जोरदार धमाके की आवाज होते ही लगभग 100 मीटर लंबी सड़क 10 से 12 फीट नीचे धंस गई, जिससे 30 गांवों का मुख्य सड़क संपर्क पूरी तरह टूट गया। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने ओसीपी में हो रही भारी ब्लास्टिंग और कथित अवैध उत्खनन को हादसे की वजह बताते हुए प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश जताया। लोगों का कहना है कि पहले भी इस क्षेत्र में जमीन धंसने की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन सुरक्षा को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि मुगमा क्षेत्र की कोलियरियों में अवैध उत्खनन लगातार जारी है और सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर ब्लास्टिंग की जा रही है। झामुमो जिला अध्यक्ष लखी सोरेन ने कहा कि सड़क धंसने से कई गांव टापू बन गए हैं और वर्षों से विस्थापित परिवार अब भी पुनर्वास का इंतजार कर रहे हैं।

## न्यूज विंडो

### कोर्ट ने विट्ठल मूर्ति पर रासायनिक लेप लगाने पर लगाई रोक

**मुंबई।** महाराष्ट्र के सोलापुर की एक अदालत ने पंढरपुर मंदिर समिति को फिलहाल भगवान विट्ठल की मूर्ति पर रासायनिक सुरक्षा परत (केमिकल कोटिंग) लगाने से रोक दिया है।

अदालत ने कहा कि धार्मिक भावनाओं और परंपराओं का सम्मान करना जरूरी है। यह आदेश अस्थायी रूप से जारी किया गया है। संयुक्त सिविल जज एसएस राउल ने महाराष्ट्र मंदिर महासंघ और वारकरी समूहों (भगवान विट्ठल के भक्तों) के सदस्यों द्वारा श्री विट्ठल रुक्मिणी मंदिर समिति के खिलाफ दायर एक आवेदन पर अंतरिम आदेश पारित किया, जिसने मंगलवार और बुधवार को मूर्ति पर लेप का काम निर्धारित किया था।

### 5 महीने में 3.1 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया गया आधार ऐप

**नई दिल्ली।** आधार के नए मोबाइल ऐप को लांच होने के पांच महीनों के भीतर 3.1 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया गया है।

लगभग 40 लाख यूजर्स ने नए आधार ऐप के जरिए अपने मोबाइल नंबर अपडेट किए हैं और करीब 8.5 लाख लोगों ने अपना पता अपडेट करने के लिए इसका इस्तेमाल किया है। आधार की देखरेख करने वाली संस्था यूनिक आईडेंटिफिकेशन अथारिटी आफ इंडिया ने कहा कि इसके बढ़ते इस्तेमाल से पता चलता है कि लोगों का इस एप पर भरोसा बढ़ रहा है, क्योंकि यह उन्हें आसानी से कई तरह की सुविधाएं देता है।

### सरकार ने जारी की हज नीति-2027, ऑनलाइन कर सकते हैं आवेदन

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने सोमवार को हज नीति-2027 की घोषणा करते हुए अगले वर्ष हज यात्रा पर जाने के इच्छुक लोगों से आवेदन आमंत्रित किए हैं।

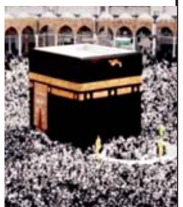

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने कहा कि नई नीति का उद्देश्य हज यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और सम्मानजनक यात्रा अनुभव प्रदान करना है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजीजू ने हज नीति-2027 जारी करते हुए बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया ने सोमवार से आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक यात्री हज-2027 के लिए आनलाइन पोर्टल और हज सुविधा मोबाइल एप के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

**पहलगाम हमले को लेकर एनआईए का बड़ा खुलासा**

# ड्रोन से पहुंचाए गए थे हथियार, सुरक्षा चूक से निशाने पर आई बैसरन घाटी

**श्रीनगर, एजेंसी**

पहलगाम हमले में इस्तेमाल किए गए हथियार नियंत्रण रेखा के उस पार से ड्रोन से गिराए गए थे। एनआइए ने पिछले वर्ष हुए इस हत्याकांड की चार्जशीट में यह खुलासा किया है। हमले में 26 लोग मारे गए थे।

सुरक्षा विशेषज्ञों ने इस चार्जशीट के आधार पर सवाल उठाए हैं कि 2022 से 2024 में ह्यूमन इंटेलीजेंस में कमी के कारण आतंकी कश्मीर घाटी में आराम से घूमते रहे। उन्होंने चिंता जताई कि केवल तकनीकी आधार पर जुटाई गई जानकारी पर ही अधिक निर्भरता रही। चार्जशीट में बताया गया था कि सुरक्षा घेरे को पारकर बारामुला के गोगल डोरा के जंगल में यह हथियार गिराए गए और सीधे आतंकियों के सहयोगियों तक पहुंच गए।

सुरक्षा विशेषज्ञों ने यह भी पाया है कि पाकिस्तानी एजेंसियों ने आतंक फैलाने के तरीके में बदलाव किया है और नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ के रास्तों से ही भेजने के बजाय लगातार ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। चूंकि नियंत्रण रेखा पर पहले ही चौकसी काफी बढ़ी हुई है।

### ग्राउंड पर देखी गई नेटवर्क की कमी

आतंकी बैसरन घाटी में वारदात को अंजाम देने से काफी पहले स्थानीय लोगों के बीच घुल-मिल गए। स्पष्ट है कि स्थानीय नेटवर्क न होने के कारण सुरक्षाबल तक वह सूचना नहीं पहुंच पाई और ग्राउंड पर नेटवर्क में कमजोरी देखी गई। 2024 में गोगल डोरा के जंगल में 20 चीनी पिस्टल, 15 लाख रुपए नकद और चीनी ड्रोन भी गराए गए थे। एनआइए ने चार्जशीट में आतंकियों का पूरा रूट बताया है कि वह पर्वतीय क्षेत्रों और शहरों से गुजरे और किसी के नजर में नहीं आए। विशेषज्ञों के अनुसार पहले गुज्जर-बक्करवाल पहाड़ी क्षेत्रों में सुरक्षा एजेंसियों की आंख व कान होते थे। पीर पंजाल क्षेत्र में ग्राउंड इंटेलीजेंस की कमी का असर जम्मू के पीर पंजाल क्षेत्र और अन्य क्षेत्र में देखने को मिला और इस दौरान यहां आतंकी वारदात में वृद्धि देखी गई।

### हिरासत में कई पूछताछ जारी

अमरनाथ यात्रा के सुरक्षा कवच को अभेद्य बनाने के लिए पुलिस और सीआरपीएफ ने सोमवार को कुलगाम से लेकर गांदरबल तक तलाशी अभियान चलाया। इसमें कुछ संदिग्ध ओवरग्राउड वर्करी को चिह्नित करते हुए उन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

**2026-27 होगा आखिरी शैक्षणिक वर्ष**

# देशभर में बंद होंगे मेडिकल के पीजी डिप्लोमा कोर्स

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देशभर में मेडिकल के पीजी डिप्लोमा कोर्स बंद कर दिए जाएंगे। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने देश में सभी पीजी डिप्लोमा मेडिकल कोर्स को बंद करने और उनकी जगह एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन) और एमएस (मास्टर ऑफ सर्जरी) जैसे व्यापक विशेषज्ञता वाले पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री कोर्स शुरू करने का फैसला किया है।

एनएमसी ने अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी मेडिकल कॉलेजों और संस्थानों को जारी सूचना में कहा, पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) डिप्लोमा कोर्स में दाखिले के लिए 2026-27 आखिरी शैक्षणिक वर्ष होगा। स्पष्ट किया गया कि 2027-28 से पीजी डिप्लोमा कोर्स में कोई एडमिशन नहीं होगा और उसके बाद ऐसे कोर्स बंद हो जाएंगे। इस कदम का उद्देश्य देश में स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा को अधिक मानकीकृत, गुणवत्तापूर्ण और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना है।

एनएमसी ने सभी संबंधित संस्थानों और विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया कि वे 19 जून को उसके पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन बोर्ड (पीजीएमईबी) द्वारा जारी सूचना में बताई गई बातों पर ध्यान दें और उनका पालन करें। पीजीएमईबी ने गौर किया कि कई मेडिकल कॉलेज में अभी एक ही स्पेशियलिटी या विषय में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा और एमडी/एमएस, दोनों कोर्स संचालित हो रहे हैं, जबकि कुछ संस्थान केवल डिप्लोमा पाठ्यक्रम चला रहे हैं।

## चलती कार में चालक को पड़ा दिल का दौरा कई गाड़ियों को मारी टक्कर, एक की मौत

**अहमदाबाद।** गुजरात के अहमदाबाद में रखियाल इलाके में एक भयानक हादसा हुआ। अजीत मिल ब्रिज से गरीब नगर की ओर जाने वाली सड़क पर चलती कार में कार चालक को अचानक दिल का दौरा पड़ गया। इसके बाद ड्राइवर का स्टीयरिंग से कंट्रोल हट गया और कार कई गाड़ियों से टकरा गई। इस हादसे में एक लड़की की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 6 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार ओढव में विराट नगर रोड पर श्रद्धा बंगले के रहने वाले 40 वर्षीय मयंककुमार दीपकभाई पटेल को दिल का दौरा पड़ा था।

## भारत में विकास और रोजगार सृजन के लिए विश्व बैंक देगा 1.5 अरब डॉलर का कर्ज

**नई दिल्ली. एजेंसी।** विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक मंडल ने भारत में संरचनात्मक सुधारों, निजी क्षेत्र की भागीदारी और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए 1.5 अरब डॉलर के वित्तपोषण को मंजूरी दे दी है। यह सहायता 'बूस्टिंग जाब क्रिएशन इन द प्राइवेट सेक्टर डेवलपमेंट पालिसी फाइनेंसिंग' कार्यक्रम के तहत दी जाएगी।

विश्व बैंक ने सोमवार को कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य निजी क्षेत्र के नेतृत्व में रोजगार के अवसर बढ़ाना और आर्थिक वृद्धि को गति देना है। इसके तहत अगले दो दशकों में कार्यबल में शामिल होने वाले करीब 11 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तैयार करने वाले सुधारों को समर्थन दिया जाएगा। कार्यक्रम में उद्यमिता की राह में आने वाली बाधाएं कम करने, विशेषकर

महिलाओं की श्रम बाजार में भागीदारी बढ़ाने, व्यापार और निवेश प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा कंपनियों के लिए पूंजी तक पहुंच बेहतर करने पर जोर दिया गया है। विश्व बैंक के अनुसार, यह पहल कर प्रणाली के सरलीकरण, व्यापार एकीकरण, नियामकीय सुधारों और कारोबार सुगमता बढ़ाने के लिए हाल के वर्षों में किए गए कदमों को आगे बढ़ाएगी। सरकार ने नवंबर 2025 में 29 श्रम कानूनों को मिलाकर चार श्रम संहिताएं लागू की थीं।

## एकतरफा प्यार बना जानलेवा, शादी से एक दिन पहले दुल्हन और माता-पिता ने की खुदकुशी

**बेंगलुरु।** कर्नाटक के मैसूर जिले में एक परिवार के तीन सदस्यों ने आत्महत्या कर ली। इनमें 21 साल की होने वाली दुल्हन भी शामिल है, जिसकी एक दिन बाद शादी होने वाली थी। इन तीनों की पहचान 50 साल के शिवन्ना, उनकी 45 साल की पत्नी नागरत्ना और उनकी 21 साल की बेटी रक्षिता के तौर पर हुई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, माना जा रहा है कि परिवार ने टी. नरसीपुरा तालुक के हालेकेम्पय्यानाहुंडी गांव में अपने घर पर जहर खा लिया था।

रक्षिता की शादी घटना के अगले दिन होनी थी। हालांकि, शादी से पहले के दिनों में परिवार बहुत ज्यादा मानसिक तनाव में था। पुलिस को मिली शुरुआती जानकारी के मुताबिक, परिवार को उसी गांव के रहने वाले उल्लास गौड़ा नाम के एक व्यक्ति द्वारा कथित तौर पर परेशान किया जा रहा था। कहा जा रहा है कि गौड़ा रक्षिता से

शादी करना चाहता था। जब रक्षिता की शादी किसी और से तय हो गई तो गौड़ा ने कथित तौर पर उसके बारे में बुरी बातें कहना और उसके मंगेतर को मैसेज और तस्वीरें भेजना शुरू कर दिया। पुलिस का मानना है कि ऐसा उसने शादी तोड़ने की कोशिश में किया था। घटनास्थल से मिले एक सुसाइड नोट में कथित तौर पर उल्लास गौड़ा को इन मौतों के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।

**मेट्रो एंकर**

**झारखंड : सीबीएसई 12वीं री-इवैल्यूएशन से बदला रिजल्ट**

# दोबारा कॉपी चेक कराने से दो छात्र बने नेशनल टॉपर

**रांची/बोकारो, एजेंसी**

झारखंड के दो छात्रों ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा के री-इवैल्यूएशन नतीजों में शानदार प्रदर्शन किया। रांची की अवनी केजरीवाल ने कॉमर्स स्ट्रीम में पूरे 100% मार्क्स हासिल करके नेशनल टॉपर का दर्जा पाया, जबकि बोकारो के आदित्य मिश्रा साइंस स्ट्रीम में जॉइंट टॉपर बने।

रांची के दिल्ली पब्लिक स्कूल की छात्रा अवनी ने अपनी आंसर शीट के री-इवैल्यूएशन के बाद 500 में से पूरे 500 मार्क्स हासिल किए। मई में जब शुरुआती नतीजे आए थे, तो उन्हें अकाउंटेंसी, इकोनॉमिक्स और एप्लाइड मैथमेटिक्स में 100 मार्क्स मिले थे, लेकिन इंग्लिश में 81 और बिज़नेस स्टडीज में 95 मार्क्स मिले थे, जिससे उनका कुल स्कोर 95.2% हो गया था।

अवनी को यकीन था कि ये मार्क्स उनके परफॉर्मेंस के हिसाब से नहीं हैं, इसलिए उन्होंने री-इवैल्यूएशन के लिए अप्लाई किया। उन्होंने बताया, 'इंग्लिश हमेशा से मेरा सबसे मजबूत और पसंदीदा सब्जेक्ट रहा है। मैं इतने कम मार्क्स स्वीकार नहीं कर सकती थी। बिजनेस स्टडीज के लिए, मैंने सीबीएसई की मॉडल आंसर की से अपने जवाबों

को मिलाया और मार्क्स कटने की कोई वजह नहीं मिली। तभी मैंने री-इवैल्यूएशन के लिए अप्लाई करने का फैसला किया। '

शहर के बिजनेस-मैन मितेश केजरीवाल और होममेकर पूनम केजरीवाल की बेटी अवनी बिजनेस और फाइनेंस में करियर बनाना चाहती हैं। उन्होंने कहा, 'अभी मैं दिल्ली और बेंगलुरु में अंडरग्रेजुएट कोर्स के विकल्पों पर विचार कर रही हूं।' उन्होंने कहा कि सफलता का मंत्र निरंतरता और स्मार्ट टाइम मैनेजमेंट है।

### डीपीएस बोकारो की छात्र आदित्य को 500 में से 498 अंक मिले

डीपीएस बोकारो के छात्र आदित्य मिश्रा अब साइंस स्ट्रीम में कानपुर की सोनाक्षी गोयल के साथ जॉइंट नेशनल टॉपर बन गए हैं। री-चेकिंग प्रोसेस के दौरान उनके बायोलॉजी के मार्क्स 96 से बढ़कर 99 हो गए। इससे उनका स्कोर 500 में से 498 हो गया और उनका प्रतिशत स्कोर 99.2% से बढ़कर 99.6% हो गया। आदित्य ने इंग्लिश कोर, केमिस्ट्री और पेंटिंग में पूरे मार्क्स हासिल किए और फिजिक्स में 99 मार्क्स पाए। बाकी सब्जेक्ट्स में उन्हें 1 ग्रेड मिला। एसएआईएस की रिफ्रैक्टरी यूनिट में चीफ जनरल मैनेजर (फाइनेंस) प्रजेश चंद्र मिश्रा और होममेकर सस्मिता मिश्रा के बेटे, वह डॉक्टर बनना चाहते हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अनुशासन और शिक्षकों व परिवार से मिले सहयोग को दिया।

**68 मजदूर अस्पताल में भर्ती**

## तमिलनाडु में अमोनिया गैस रिसाव से मरने वालों की संख्या हुई सात

**चेन्नई, एजेंसी**

तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में एक निजी सीफूड प्रोसेसिंग एवं निर्यात फैक्ट्री में अमोनिया गैस रिसाव की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। मृतकों में सभी महिलाएं शामिल हैं, जो ओडिशा की प्रवासी श्रमिक थीं। इस हादसे में कुल 77 कर्मचारी प्रभावित हुए हैं, जबकि 68 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है। राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अनुसार, यह घटना 21 जून को पेरियापालयम के निकट कनिगईपैर क्षेत्र स्थित फैक्ट्री में नियमित कार्य के दौरान हुई। जहरीली अमोनिया गैस के संपर्क में आने से

कर्मचारियों को सांस लेने में कठिनाई, लगातार खांसी, सीने में दर्द, आंखों में जलन और श्वसन तंत्र में परेशानी जैसी गंभीर समस्याएं हुईं। अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित मजदूरों में से 28 का इलाज वेल्स अस्पताल, 18 का वेंकटेश्वर अस्पताल, 12 का राजीव गांधी सरकारी सामान्य अस्पताल तथा 10 का स्टेनली अस्पताल में चल रहा है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
**स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564